गडकरी की सलाह आप चाहे तो.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास.. 11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 103 | गाजियाबाद / गुरूवार 16 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

'खतरे में सोनम वांगचुक की जान'

- जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल के बीच दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को लेकर बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।
इस याचिका में कोर्ट से तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करके सोनम वांगचुक को मेडिकल मदद मुहैया कराने की मांग की गई है। यह जनहित याचिका समाजिक कार्यकर्ता और वकील राकेश सैनी ने दायर की है।
जबरन खिलाएं खाना- सैनी ने अपनी याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें जबरन खाना खिलाया जाए। याचिका के अनुसार, सोनम वांगचुक की हालत बिगड़ रही है और भूख हड़ताल पर रहने की वजह से उनका वजन लगभग 8.5 किलोग्राम कम हो गया है। अगर वह भूख हड़ताल जारी रखते हैं तो उनकी जान जा सकती है।

बदरीनाथ धाम चढ़ावा चोरी में बढ़ा जांच का दायरा, संदेह के घेरे में खजांची समेत चार अन्य लोग

देहरादून (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी मामले में कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ रहा है। मुख्य आरोपी के जेल जाने के बाद अब खजांची समेत चार अन्य लोगों को भी जांच प्रभावित होने की आशंका के चलते उनके दायित्वों से हटा दिया गया है। जबकि, हाई पावर कमेटी और मंदिर समिति की जांच समानांतर रूप से जारी है। वहीं, सीएम धामी ने भी मामले में दोषियों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है। बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की गणना और रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी के मामले में जांच अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। मंदिर समिति के तत्कालीन वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के जेल पहुंचने के बाद अब जांच का दायरा और विस्तृत कर दिया गया है। मंदिर समिति के खजांची (कोषपाल) समेत चार अन्य लोगों को भी संदेह के आधार पर उनके वर्तमान दायित्वों से अलग कर दिया गया है। ताकि, जांच निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से आगे बढ़ सके।
संदेह के दायरे में खंजाची समेत चार लोग : हेमंत द्विवेदी ने बताया कि जांच के दौरान बदरीनाथ धाम में चढ़ावे से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे खजांची समेत चार अन्य लोग भी संदेह के दायरे में आए हैं। ऐसे सभी लोगों को उनके वर्तमान दायित्वों से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी को दोषी मानकर नहीं बल्कि, जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

ममता को एक और झटका

टीएमसी विधायक मदन मित्रा बागी गुट में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी विधायक मदन मित्रा बुधवार को विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के बागी खेमे में शामिल हो गए। मदन को पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। मदन मित्रा जाने के साथ ही पार्टी के अंदर चल रही अनबन और गहरी हो गई है। कमरहाटी के विधायक मित्रा ने घोषणा की कि उन्होंने ममता बनर्जी की टीएमसी के तहत काम करने वाली सभी राष्ट्रीय और राज्य कमेटियों से इस्तीफा दे दिया है। विधायक ने यह भी कहा कि उन्होंने तुरंत प्रभाव से पार्टी के चीफ व्हिप पद से इस्तीफा दे दिया है।
कमरहाटी विधायक ने बागी नेता से मिलने के बाद रिपोर्टर्स से कहा, मैंने सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं। मैं पूरी तरह टीएमसी में हूं। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट के लिए सबसे नया झटका है, जो पिछले कुछ महीनों से पहले कभी नहीं हुए विद्रोह से जूझ रहा है।

भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील लागू

सस्ती हो गई व्हिस्की, रम, वोडका, लग्जरी कारें और ब्यूटी प्रॉडक्ट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के बीच आज बुधवार 15 जुलाई 2026 से व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू हो गया है। इस एग्रीमेंट के लागू होते ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का एक नया दौर भी शुरू हो गया है। इस समझौते से भारतीय निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में बिना शुल्क के पहुंच मिलेगी। इसके साथ-साथ ब्रिटेन से भारत आने वाले कई प्रॉडक्ट पर उत्पाद शुल्क भी चरणबद्ध तरीके से घटाया जाएगा। इससे कृषि, उद्योग, सेवा सेक्टर, एमएसएमई और पेशेवरों को नए अवसर मिलने की संभावना है।

दोनों देशों के लिए यह डील काफी अहम मानी जा रही है, जो दोनों देशों के व्यापार को एक नई दिशा देने का काम करेगी। भारत में विदेशी कारों और प्रीमियम शराब पर कस्टम ड्यूटी कम लगेगी। जानकारी के मुताबिक यह नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लागू किया जाने वाला छठा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। इससे पहले, भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू किए हैं।

भारत को फायदा

सभी लेबर-इंटेंसिव सेक्टर जैसे गारमेंट्स, टेक्सटाइल्स, फुटवियर, कारपेट, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, सब्जियां, फल और मसाले, मछली, मीट और प्रोसेस्ड प्रोडक्ट्स अब जीरो ड्यूटी के साथ ब्रिटेन (यूके) मार्केट में आएंगे। अभी, इन चीजों पर ड्यूटी 4 से 16 परसेंट के बीच है। इस समझौते से जिन दूसरे सेक्टर को फायदा होगा, उनमें ऑटोमोबाइल, मोटरसाइकिल और पार्ट्स; मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैब्रिकेटेड मेटल प्रोडक्ट; और सिरेमिक, ग्लास, पत्थर और सीमेंट प्रोडक्ट शामिल हैं. सैल्मन, लैंब, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक, कॉस्मेटिक्स, साबुन, परफ्यूम, शेविंग क्रीम और नेल पॉलिश जैसे ब्रिटिश सामान पर ड्यूटी कम होने से भारतीय बाजार में कीमतों में कमी आ सकती है. भारत ब्रिटेन से सबसे ज्यादा इम्पोर्ट होने वाले आइटम चांदी पर टैरिफ 10 साल में जीरो कर देगा।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को छठे साल से मिलेगी रियायत

नोटिफिकेशन के मुताबिक पेट्रोल और डीजल गाड़ियों को शुरू से ही छूट मिलेगी, जबकि इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन पैसेंजर कारों को छठे साल से ही खास छूट मिलेगी।

- **ट्रकों पर भी होगी मेहरबानी-** भारत यूके (यूके) में बने और पूरी तरह से बने ट्रकों पर टैरिफ भी कम करेगा। अभी की 44 फीसदी ड्यूटी 5 साल के अंदर 8.8 प्रतिशत हो जाएगी। यह कोटा पहले साल 2,500 ट्रकों से बढ़कर 5 सालों में 3,500 हो जाएगा।
- **अल्कोहल** - इस डील से साइडर, मीड, साके, ब्रांडी, बॉर्बन, रम, जिन, वोडका, लिकर और टकीला जैसे कई तरह के प्रीमियम ड्रिंक्स पर टैरिफ कम हो गए हैं। देश में अभी स्कॉच व्हिस्की पर करीब 150 प्रतिशत का टैरिफ वसूला जाता है। समझौता लागू होने के बाद से इसके दामों में काफी कमी देखने को मिलेगी। इसे घटाकर 40 फीसदी तक लाने का प्लान है। यानी आने वाले समय में स्कॉच व्हिस्की की कीमतें काफी कम हो जाएंगी।
- **इन पर कोई ड्यूटी रियायत नहीं-** भारत ताजे सेब, अखरोट, छाछ और मॉडिफाइड छाछ, ब्लू-वेन चीज, और खास बीज कैटेगरी, गोल्ड बार, और स्मार्टफोन जैसे प्रोडक्ट्स पर कोई ड्यूटी रियायत नहीं देगा. यूके की एक्सक्लूजन लिस्ट में कई तरह के मीट प्रॉडक्ट, अंडे से बनी चीजे, सेमी-मिल्ड या पूरी तरह से मिल्ड चावल, और सॉलिड-फॉर्म केन या चुकंदर चीनी शामिल हैं।

पुरी रथयात्रा आज से

- 6 महीने पहले से होटल बुकिंग, 1500 का कमरा 50 हजार में मिल रहा, हावड़ा में जगन्नाथ यात्रा गोद में निकलती है

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू होगी। यह भव्य उत्सव 24 जुलाई तक चलेगा, जिसमें 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा को लेकर पुरी के होटल और लॉज पूरी तरह फुल हो चुके हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, इस साल फरवरी से ही बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास के होटल-लॉज की सबसे ज्यादा मांग है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़की रथयात्रा मार्ग की ओर खुलती है, उनके लिए सबसे ज्यादा मारामारी है।

हावड़ा में प्रोफेसर की गोद बनती है भगवान जगन्नाथ का रथ

धर्म और आस्था की सीमाओं से परे पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हर साल एक अनोखी रथयात्रा निकाली जाती है। यहां न तो रस्सी से रथ खींचा जाता है और न ही विशाल रथ सजाया जाता है। इसके बजाय कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई तीनों समुदायों के लोग शामिल होते हैं।

कैबिनेट ने सेमीकॉन मिशन 2.0 को दी मंजूरी

वाराणसी में बनेगा 6-लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई देने के लिए अब तक के सबसे बड़े निवेश प्रस्तावों में से एक को हरी झंडी दे दी है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई युगांतकारी निर्णय लिए गए, जिनकी घोषणा केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की।

देश को वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) हब बनाने और कनेक्टिविटी को सुगम बनाने के उद्देश्य से कैबिनेट ने कुल 2,19,353 करोड़ रुपये के कुल बजट वाले सा बड़े प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। यह विशाल पैकेज देश की आर्थिक विकास दर को तेज करने और औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्रीय कैबिनेट ने एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 6 लेन के ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। एनएच-19 उत्तर प्रदेश के आगरा से शुरू होकर पश्चिम बंगाल के कोलकाता (डंकुनी) तक जाता है। यह लगभग 1323 किलोमीटर लंबा मार्ग है जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से होकर गुजरता है।

- **गंगा नदी के किनारे छह लेन का कॉरिडोर-** उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में यातायात की भीड़ कम करने के उद्देश्य से कैबिनेट ने राष्ट्रीय राजमार्ग-19 (एनएच-19) और वाराणसी रिंग रोड के बीच गंगा नदी के किनारे कनेक्टिविटी के साथ एक लिंक/कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। 46.039 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में छह लेन का एलिवेटेड मेन कैरिजवे, एक प्रतिष्ठित केबल-स्टे ब्रिज, एक एक्स्ट्राडोज्ड फुट ओवर ब्रिज-कम-मेजर ब्रिज, लूप, रैंप, लिंक रोड और सर्विस रोड शामिल हैं। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) के तहत कुल 14,447.64 करोड़ रुपये की पूंजी लागत पर अमल में लाई जाएगी। इसमें 6,037.85 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत (यूटिलिटी शिफ्टिंग सहित, जीएसटी को छोड़कर) और एनएच(ओ) के तहत 541.11 करोड़ रुपये की भूमि अधिग्रहण लागत शामिल है। यह परियोजना एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे शहर के सड़क नेटवर्क में भीड़ काफी कम होगी और शहरी आवागमन में सुधार होगा।
- **वरुणा नदी के किनारे कॉरिडोर-** उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में यातायात जाम कम करने के लिए, कैबिनेट ने वरुणा नदी के किनारे एनएच-31 और वाराणसी रिंग रोड को जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर लंबे लिंक/कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में मुख्य कैरिजवे, फ्लाईओवर, लूप, रैंप और सर्विस रोड सहित 6/4 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल है। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएसएआई) की ओर से हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत कुल 10,998.32 करोड़ रुपये की पूंजी लागत से कार्यान्वित किया जाएगा। जिसमें 4,565.33 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत और 934.91 करोड़ रुपये की भूमि अधिग्रहण लागत शामिल है।
- **यूरिया के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति-2026-** कृषि क्षेत्र में खाद की उपलब्धता और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति-2026 को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने घरेलू यूरिया उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई राष्ट्रीय निवेश नीति को मंजूरी दी है।

'शर्त पूरी कर दो तो एनडीए का समर्थन करने के लिए तैयार': सुप्रिया सुले

मुंबई (एजेंसी)। परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण विधेयक पर एनसीपी शरद पवार गुट एनडीए का साथ दे सकता है। इसको लेकर पार्टी सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने जवाब दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि वह इंडिया गठबंधन को नहीं छोड़ेंगी।

एनसीपी शरद पवार गुट एनडीए का समर्थन कर सकता है। इसको लेकर मीडिया में खबरें आ रही हैं। इसको लेकर जब पार्टी सांसद सुप्रिया सुले से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि वह सरकार द्वारा लाए जाने वाले बिल का समर्थन कर सकती हैं, यदि उनकी शर्तों को मान लिया जाए।

सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, हमारी पार्टी के सभी आठ सांसद और हमारे सभी विधायक एकजुट हैं। एनसीपी एक ऐसी पार्टी है जिसमें शरद पवार न सिर्फ नेतृत्व करते हैं, बल्कि हर किसी पर ध्यान देते हैं और सबकी बात सुनते हैं।

सीबीएसई डिजिटल मार्किंग सिस्टम

सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की पीड़ा पर संज्ञान लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डिजिटल मार्किंग सिस्टम से विद्यार्थियों की 'निराशा' पर चिंता जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से एक पीआईएल में सहायता मांगी, जिसमें केंद्र सरकार और सीबीएसई से ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के जरिये परीक्षा कराने के लिए नियम बनाने की अपील की गई है।

यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के सामने आया। सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल से केस से निपटने में सहायता मांगते हुए कहा, छोटे बच्चों की निराशा देखिए। पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल थे, ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया में व्यवस्थित धीरे-धीरे आने वाली दिक्कतें लगती हैं।

सीबीएसई का ओएसएम मूल्यांकन सिस्टम एक डिजिटल ग्रेडिंग तरीका है, जिसमें शिक्षक फिजिकल पेपर स्क्रिप्ट चेक करने के बजाय कंप्यूटर पर फिजिकल आंसर शीट की स्कैन की हुई कॉपी का मूल्यांकन करते हैं। जस्टिस बागची ने मेहता से कहा, हम आपकी मदद मांग रहे हैं, विरोध के तौर पर नहीं। कुछ दिक्कतें हैं।

पेपर ठीक नहीं होने से नीट की छात्रा ने दी जान

माता-पिता दोनों शिक्षक

बहरोड़ (एजेंसी)। नीट का पेपर ठीक नहीं होने से परेशान एक छात्रा ने जान दे दी। घटना के दौरान घर पर छात्रा के अलावा और कोई मौजूद नहीं था। छात्रा के माता-पिता टीचर हैं. छात्रा ने दो साल तक जयपुर में नीट की तैयारी की थी। मृतका ने नीट का पेपर दिया था, लेकिन तैयारी के हिसाब से पेपर ठीक नहीं हुआ था।

कोतवाली पुलिस थाना अधिकारी रविंद्र ने बताया कि मंगलवार दोहपर कस्बे के इंद्रा कॉलोनी निवासी छात्रा की मां ने बताया कि वो जब स्कूल से घर पहुंची तो बेटी कमरे में मृत अवस्था में थी। जिसके बाद उन्होंने तुरंत अपने पति को फोन किया। परिवार के लोग छात्रा को हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।वहीं, एएसआई कृष्ण कुमार ने बताया कि शहर के एक निजी अस्पताल से दोपहर 2:30 बजे कंट्रोल रूम में सूचना मिली कि 19 साल की छात्रा ने सुसाइड कर लिया है। परिजन उसे अस्पताल लेकर आए हैं। सूचना पर टीम अस्पताल पहुंची।

छात्रा की मां सरकारी स्कूल में टीचर: इंदिरा कॉलोनी निवासी छात्रा के पिता जगदीश प्रसाद ने बताया कि वह निजी स्कूल में साइंस के टीचर हैं। उनकी पत्नी रीना देवी महात्मा गांधी राजकीय स्कूल दहमी (बहरोड़) में हिंदी की व्याख्याता हैं। मेरी बड़ी बेटी कामाक्षी (19 वर्ष) ने 21 जून को नीट का पेपर दिया था। तैयारी के हिसाब से कामाक्षी का पेपर ठीक नहीं हुआ था। इसके चलते वह काफी तनाव में थी। घर पर उसने पेपर को लेकर बात की तो उसे काफी समझाया गया। साथ ही बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) करने की सलाह दी गई।

सुबह 10 बजे मां ने बेटी को किया था फोन: पिता ने बताया कि 14 जुलाई को छोटी बेटी और बेटा स्कूल चल गए। मैं और मेरी पत्नी भी ड्यूटी पर चले गए। कामाक्षी घर पर अकेली थी। सुबह 10 बजे मां ने बेटी को फोन करके खाना खाने के बारे में पूछा, जिस पर कामाक्षी ने कहा कि उसने खाना खा लिया है।

नोएडा में पीजी बिल्डिंग में भीषण आग, दो की मौत

नई दिल्ली/नोएडा(एजेंसी)। नोएडा के ममूरा सेक्टर 66 स्थित एक पांच मंजिला इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई है, जिसमें एक महिला सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस आग में करीब 50 परिवार फंसे हुए थे, जिन्हें फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकला गया। जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक व्हीकल में शार्ट सर्किट होने के बाद आग लगी थी। आग नीचे से ऊपर की तरफ बढ़ी, जिसके चलते लोग पीजी से बाहर नहीं निकाल पाए, लोगों को दूसरी बिल्डिंग से रेस्क्यू कर बाहर निकला गया है।
ज्वाइंट सीपी (कानून व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि नोएडा के ममूरा गांव (थाना फेज-3 क्षेत्र) में स्थित एक इमारत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही फायर सर्विस ने तत्काल रेस्पॉन्ड किया और फायर टेंडर्स को मौके पर उतारकर ऑपरेशन शुरू कर दिया।

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय

की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ–पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग–202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले– हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

अपनों की बगावत और कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसीं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे घमासान ने ममता बनर्जी को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है। 21 जुलाई के ऐतिहासिक मोड़ पर ममता बनर्जी को दो अलग-अलग कोनों से दो ऐसे ऑफर मिले हैं, जो उनकी राजनीतिक साख को दांव पर लगाते हैं। पहला, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट ने ममता बनर्जी को अपनी अलग रैली में शामिल होने का न्योता भेजा है और उन्हें मार्गदर्शक का दर्जा दिया है। राजनीति में मार्गदर्शक मंडल का मतलब अमूमन सक्रिय राजनीति से विदाई माना जाता है। यानी बागी नेता ममता को सम्मान तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी लीडरशिप को खारिज कर चुके हैं। दूसरा कांग्रेस ने सीधे उनके राजनीतिक वजूद पर चोट की है। शुभांकर सरकार ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का मंच खुला है, लेकिन ममता को यह मानना होगा कि कांग्रेस का साथ छोड़ना उनकी भूल थी।

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को यूथ कांग्रेस की रैली से जुड़ा मामला है, जिसमें पुलिस फायरिंग में कथित तौर पर 13 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात यह है कि इस रैली की अगुवाई ममता बनर्जी खुद कर रही थीं। उन्होंने दिसंबर 1997 में कांग्रेस का साथ छोड़कर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, और तब से टीएमसी इस दिन को बड़े पैमाने पर रैलियों के साथ मनाती आ रही है, जबकि कांग्रेस भी इस दौरान कुछ कार्यक्रम करती रही है। वर्तमान स्थिति में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल का बागी गुट एस्प्लेनेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपना अलग शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने ममता के नेतृत्व वाले गुट को विक्टोरिया हाउस के सामने कार्यक्रम आयोजित करने की पारंपरिक अनुमति नहीं दी है, और यह मामला अब अदालत में लंबित है। बागी गुट ने भी ममता बनर्जी को मार्गदर्शक के रूप में अपनी रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे इस दिन की राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ गई है।

वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

संजय राउत : हनुमान चालीसा के लिए कोई शर्त नहीं, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष एकजुट

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हनुमान चालीसा पढ़ने या मंदिर जाने को लेकर किसी शर्त की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान उन्होंने एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर अपनी प्रतिक्रिया देकर दिया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि जयंत पाटिल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर जाने को लेकर मेरी कोई कंडीशन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हनुमान चालीसा पढ़ने में भला क्या शर्त हो सकती है? राउत ने बताया कि 18 तारीख को उद्धव ठाकरे नागपुर आएंगे और वे सब मिलकर मंदिर में दर्शन करने वाले है। यदि बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तब मंदिर के बाहर बने मंच से उद्धव ठाकरे उन्हें संबोधित कर सकते है। इसी क्रम में, उद्धव ठाकरे ने महिला आरक्षण बिल पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह बिल फिर लाती है, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। ठाकरे ने जानकारी दी कि उन्होंने बिल में सुधार के लिए अपनी बातें रखी हैं और यदि उनकी बात मानी जाती है, तभी वे उस पर चर्चा हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रिया सुले से बातचीत के सवाल पर कहा कि वह खुलकर अपनी बात कहने वाली नेता हैं। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी। शरद पवार के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर दलवई ने दृढ़ता से कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग जा सकते हैं, लेकिन शरद पवार बिल्कुल भी नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा मामले पर दलवई ने जगद्गुरु शंकराचार्य के बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि शंकराचार्य जी ने कहा है कि इससे क्या होगा? कुछ नहीं होगा। यह राम मंदिर नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा का दफ्तर है। इसीलिए वे अभी तक वहां नहीं गए हैं।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत- स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई 20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

कांवड़ यात्रा-2026 : तैयारियों को लेकर हुई अधिकारियों की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ और अपर पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर की संयुक्त अध्यक्षता में क्रियान्वयन एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिलाधिकारी और अपर पुलिस आयुक्त ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों और संपर्क मार्गों की स्थिति की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग, नगर निगम तथा संबंधित एजेंसियों को सभी मार्गों को गड्ढामुक्त और स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही जलभराव, सड़क क्षति और अन्य अवरोधों को तत्काल दूर करने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया। यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए पुलिस विभाग को प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन योजना लागू करने के निर्देश दिए

गए। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रमुख स्थलों और कांवड़ मार्गों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। विद्युत विभाग को कांवड़ मार्गों, शिविर स्थलों और मंदिर परिसरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। जर्जर तारों, खुले विद्युत संयोजनों और अन्य संभावित खतरों को चिन्हित कर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्युत खंभों पर लटकी प्लास्टिक सामग्री और अन्य अवांछित वस्तुओं को हटाने को कहा गया। नगर निगम और नगर निकायों को स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने, नियमित सफाई अभियान चलाने और कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा सहायता, प्राथमिक उपचार केंद्र, कांवड़ शिविर, स्थायी और मोबाइल शौचालयों की पर्याप्त व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि कांवड़ यात्रा के संचालन और निगरानी के लिए पूरे जनपद को 11 जोन और 24 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन और सेक्टर में अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। साथ ही मेरठ तिराहा पर मुख्य कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जहां से यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं की निगरानी और विभागों के बीच समन्वय किया जाएगा। समीक्षा के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि कांवड़ मार्गों पर स्थित मांस और मदिरा की दुकानों को नियमानुसार बंद रखा जाएगा अथवा उन्हें पूरी तरह ढका जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावटखोरी रोकने, ढाबों और रेस्टोरेंटों की जांच करने तथा रेट लिस्ट प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

किसान दिवस में गन्ना भुगतान, बिजली और सिंचाई की समस्याएं उठीं, एक सप्ताह में समाधान के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी कविता मीना और मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में जुलाई 2026 का किसान दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों और किसान प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। कार्यक्रम की शुरूआत उप कृषि निदेशक योगेंद्र कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों और किसानों का स्वागत करते हुए की। इस दौरान उद्यान विभाग ने ग्राम जरौठी के प्रगतिशील किसान ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा ड्रिप सिंचाई प्रणाली से की गई बुवाई की जानकारी देते हुए इसे आधुनिक खेती का सफल उदाहरण बताया। वहीं, जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को जिले में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की जानकारी दी। बैठक में पिछले माह के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की रिपोर्ट

भी किसानों के समक्ष प्रस्तुत की गई तथा संबंधित अधिकारियों ने समाधान की स्थिति से अवगत कराया। इस बार किसान दिवस में किसानों ने गन्ना भुगतान, विद्युत आपूर्ति, वन विभाग और सिंचाई विभाग से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निस्तारण की रिपोर्ट किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक कार्यालय में उपलब्ध कराने तथा उसकी एक प्रति संबंधित शिकायतकर्ता को भी अनिवार्य रूप से देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी के संभावित बिजनौर दौरे की चर्चा से प्रशासन अलर्ट, तैयारियां तेज

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 17 जुलाई को संभावित बिजनौर दौरे की चचाओं ने जिला प्रशासन की सक्रियता बढ़ा दी है। हालांकि अभी तक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावित आगमन को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को अधिकारियों ने वर्धमान कॉलेज मैदान का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक तैयारियां शुरू करा दीं। मैदान में बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन तथा अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।
संभावित दौरे को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों की लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, वीआईपी आवागमन, जनसभा स्थल की तैयारियों तथा विभिन्न विभागों के समन्वय को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सभी संभावित व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।
राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, यदि कार्यक्रम तय होता है तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिला मुख्यालय पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और

जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि अभी आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है, फिर भी संभावित दौरे को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं, ताकि कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा होने पर किसी प्रकार की कमी न रहे।

गाजियाबाद : जीडीए का चला बुलडोजर, कृष्णा विहार के पास 2865 वर्ग मीटर में हो रहा अवैध निर्माण ध्वस्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने प्रवर्तन जोन-03 के अंतर्गत अवैध निर्माण और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बुधवार को एक बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। कृष्णा विहार के पास लगभग 2865 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किए जा रहे अवैध निर्माण को प्राधिकरण की टीम ने कार्रवाई करते हुए जमींदोज कर दिया।
प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई प्रवर्तन जोन-3 के विशेष कार्याधिकारी के नेतृत्व में की गई। उक्त भूमि पर जयपाल सिंह (पुत्र सहजराम), गिरिराज सिंह, सोरन सिंह और धर्मपाल सिंह द्वारा अवैध रूप से विकास कार्य और निर्माण किया जा रहा था।

अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यह ध्वस्तीकरण की कार्यवाही विशेष कार्याधिकारी और प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में अंजाम दी गई। उक्त भूमि पर जयपाल सिंह (पुत्र सहजराम), गिरिराज सिंह, सोरन सिंह और धर्मपाल सिंह द्वारा अनाधिकृत रूप से विकास कार्य और निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुँचकर इस पूरे अवैध निर्माण को चिन्हित किया और भारी मशीनरी का प्रयोग कर उसे धराशायी कर दिया।

विरोध को पुलिस बल ने किया नाकाम

ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। निर्माणकताओं और स्थानीय लोगों ने टीम का कड़ा विरोध किया और काम रोकने का प्रयास किया। हालांकि, वहां तैनात प्राधिकरण पुलिस बल और स्थानीय पुलिस ने स्थिति को तुरंत भांपते हुए उपद्रवियों को नियंत्रित किया। पुलिस की सख्त मौजूदगी के कारण निर्माणकताओं की एक न चली और बुलडोजर ने अपना काम जारी रखते हुए अवैध ढांचे को पूरी तरह जमींदोज कर दिया।

अभियान में शामिल रहे ये अधिकारी

इस विशेष ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान जीडीए की पूरी प्रशासनिक टीम मौके पर डटी रही। कार्रवाई के समय सहायक अभियंता, अवर अभियंता के साथ-साथ प्राधिकरण के सभी सुपरवाइजर और मेट उपस्थित रहे। सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि कार्रवाई में किसी प्रकार की बाधा न आए।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

प्राधिकरण के सूत्रों का कहना है कि गाजियाबाद में लगातार पनप रही अवैध कॉलोनियों और बिना नक्शा पास कराए किए जा रहे निमाणों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जीडीए ने साफ चेतावनी दी है कि भविष्य में भी किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

17 जुलाई को मुरादनगर आएंगे मुख्यमंत्री, पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 17 जुलाई को प्रस्तावित मुरादनगर दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री कुशल पाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज परिसर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस कार्यक्रम को क्षेत्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसके चलते प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, वाहन पार्किंग, मंच निर्माण, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय के भीतर पूरी कर ली जाएं और कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए। क्षेत्रीय विधायक अजीत पाल त्यागी भी तैयारियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से समन्वय बनाकर सभी कार्य समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने कार्यक्रम स्थल तथा मुख्य मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया है। सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान, नालियों की सफाई और आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित करने का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि 17 जुलाई का कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।.

बारिश के बीच भी नहीं थमी गाजियाबाद नगर निगम के विकास कार्य की रफ्तार, इंदिरापुरम में करोड़ो के निर्माण कार्यों का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम में चल रहे बड़े पैमाने के विकास कार्यों को बारिश के मौसम में भी सुचारु रूप से जारी रखने के लिए गाजियाबाद नगर निगम सक्रिय रूप से काम कर रहा है। क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, नाला, ग्रीन बेल्ट और सीएम ग्रिड से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। इन कार्यों के दौरान नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करने तथा जलभराव जैसी समस्याओं से बचाव के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विभागीय अधिकारियों और निगम की टीम के साथ इंदिरापुरम का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गति बनाए रखने के साथ-साथ क्षेत्रवासियों की दैनिक आवाजाही और सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। इसी क्रम में जिन स्थानों पर नालों का निर्माण पूरा हो चुका है, वहां अवरुद्ध सामग्री और मिट्टी हटाने का कार्य कराया गया। साथ ही निर्माण स्थलों पर अनिवार्य रूप से बैरिकेडिंग कराई गई, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना न रहे। नगर निगम द्वारा घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सोसायटियों के प्रवेश मार्गों पर जीएसबी (ग्रेन्युलर सब बेस) मटेरियल डलवाया जा रहा है, जिससे बारिश के दौरान भी लोगों का आवागमन सुगम बना रहे। कई स्थानों पर आवश्यकता के अनुसार अस्थायी अप्रोच रोड भी तैयार की जा रही हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि विकास कार्यों के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए और निर्माण एजेंसियां इस बात का विशेष ध्यान रखें। इंदिरापुरम में नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को जलभराव मुक्त, व्यवस्थित और आधुनिक सुविधाओं

से युक्त बनाना है। इसी दिशा में निगम ने नालों पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई भी की है। अधिकारियों के अनुसार कई वर्षों से नालों पर कब्जों के कारण जल निकासी प्रभावित होती थी, जिससे बरसात के दौरान जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न होती थी। अब नए और चौड़े नालों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे भविष्य में इस समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। नगर निगम का दावा है कि अगले पांच से छह महीनों में इंदिरापुरम की तस्वीर पूरी तरह बदलती नजर आएगी। क्षेत्र में बेहतर सड़कें, सुगठित नाला तंत्र, विकसित ग्रीन बेल्ट और आधुनिक शहरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन परियोजनाओं का लाभ सीधे तौर पर लाखों निवासियों को मिलेगा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां जल निकासी, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।
इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक जलकल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज तथा अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी विभागों को संयुक्त रूप से कार्य करते हुए नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इंदिरापुरम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पहले ही पूरी की जा चुकी हैं। सीआईएसएफ रोड और उससे जुड़े नाला निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। विजयलक्ष्मी मार्ग पर सड़क और नाला निर्माण का काम पूरा हो गया है। कैलाश मानसरोवर मार्ग का सड़क निर्माण कार्य भी समाप्त हो चुका है और उससे जुड़ी आंतरिक सड़कों का निर्माण भी कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त काला पत्थर से साईं चौक तक सड़क निर्माण का कार्य जारी है, जबकि इस मार्ग पर नाला निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। गौर चौक से सुपरटेक की ओर जाने वाली सड़क पर भी निर्माण कार्य चल रहा है और वहां नाले का निर्माण पूरा किया जा चुका है। विधायक कॉलोनी में सड़क और नाली दोनों के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। ज्ञानखंड-1, ज्ञानखंड-2 और ज्ञानखंड-3 क्षेत्रों में नाली निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है। वैभव खंड में भी नाली निर्माण का काम पूरा होने के बाद सड़क निर्माण तेजी से किया जा रहा है। शिप्रा सनसिटी के मुख्य मार्ग का सड़क निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि अहिंसा खंड में सड़क और नाली दोनों परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं।

विश्व युवा कौशल दिवस पर एनसीसी कैडेट्स को मिला आधुनिक करियर का मंत्र, कौशल आधारित शिक्षा पर दिया जोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। एसएसवी इंटर कॉलेज में बुधवार को 38 यूपी बटालियन हापुड़ के निर्देशन में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स को आधुनिक करियर के लिए आवश्यक कौशलों और बदलती तकनीकों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल युग का है, जहां केवल डिग्री नहीं बल्कि व्यावहारिक कौशल भी सफलता की कुंजी बन चुके हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), डेटा विश्लेषण, ऑनलाइन कार्य प्रणाली और डिजिटल प्लेटफॉर्म आज लगभग हर क्षेत्र का हिस्सा हैं। ऐसे में युवाओं को नई तकनीकों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर भी विस्तार से चर्चा हुई। लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल बिसला ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें कौशल आधारित शिक्षा देकर रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार देने योग्य भी बनाती है। समापन अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल विजयंत शारदा ने कहा कि भविष्य में सफल होने के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से प्रतिदिन कुछ नया सीखने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट योगेश कुमार, सूबेदार मेजर संजय धामा, सुजीत, अवलोक, कमलजीत, प्रदीप, प्रमोद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रभात फेरी और नेत्रोत्सव से भक्तिमय हुआ हापुड़, आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

हापुड़ (शिखर समाचार)। भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा सेवा समिति के तत्वावधान में बुधवार को प्रभात फेरी और नेत्रोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। "जागो बंशी वारे, जागो मेरे लालन" के जयघोष और भजनों से पूरा शहर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। प्रभात फेरी चौराखी मंदिर, स्वर्गाश्रम रोड से प्रारंभ होकर त्यागी नगर, शेर वाली कोठी, लाल कोठी, कांति धर्मशाला, टैगोर शिक्षा सदन, कृष्णा नगर, शक्तिनगर, भगवानपुरी, पन्ना पुरी, गढ़ रोड, देवनंदिनी हॉस्पिटल होते हुए नवज्योति कॉलोनी में संपन्न हुई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शाम को पुराना बाजार स्थित श्री पुराना शिव मंदिर में नेत्रोत्सव आयोजित हुआ, जिसमें वृंदावन से आए गौरदास जी ने भजनों के माध्यम से भगवान की लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। समिति के हरिओम अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा पुराना बाजार स्थित शिव मंदिर से निकाली जाएगी। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से यात्रा में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में हरिओम, रतनलाल, राजेश, दिनेश चीनू, वैभव, सुशील कृष्ण, सौरभ सर्राफ, अरुण, अजय और गौरव सहित समिति के पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

परिवहन विभाग की बड़ी नीलामी, 119 वाहनों की बिक्री से सरकारी खजाने में आए 27.72 लाख रुपये

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में परिवहन विभाग ने धारा निरुद्ध वाहनों की दो चरणों में नीलामी कर कुल 27.72 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। नीलामी प्रक्रिया प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। पहले चरण में उपजिलाधिकारी रेनू की अध्यक्षता में बाबूगढ़, गढ़मुक्तेश्वर, कोतवाली नगर, पिलखुवा, धौलाना और हाफिजपुर थानों में निरुद्ध 119 वाहनों की नीलामी हुई। इसमें 17 बोलीदाताओं ने भाग लिया और अधिकतम 16.76 लाख रुपये की बोली प्राप्त हुई। दूसरे चरण में अपर परिवहन आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर 45 दिन से अधिक समय से निरुद्ध 17 वाहनों की नीलामी उप परिवहन आयुक्त मेरठ परिक्षेत्र हरिशंकर सिंह की अध्यक्षता में कराई गई। इस चरण में 13 बोलीदाताओं ने हिस्सा लिया और 10.96 लाख रुपये की सर्वोच्च बोली लगी। नीलामी प्रक्रिया के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात जितेंद्र शर्मा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रमेश चौबे, छवि सिंह चौहान, यात्रीकर अधिकारी प्रीति पाण्डेय सहित परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महाकवि नीरज की स्मृति में 18 जुलाई को होगा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, देशभर के प्रख्यात कवि करेंगे काव्यपाठ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महाकवि गोपालदास नीरज की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर 18 जुलाई (शनिवार) को शाम छह बजे हिन्दी भवन में भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन अजर नीरज अमर नीरज का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति, दिल्ली तथा महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य महाकवि नीरज की साहित्यिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और हिन्दी काव्य परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान करना है। समिति के अध्यक्ष रवींद्र गुप्ता और कोषाध्यक्ष अशोक कौशिक ने बताया कि सम्मेलन में पद्मश्री सुरेन्द्र शर्मा, विष्णु सक्सेना, सर्वेश अस्थाना, पवन कुमार (आईएएस), डॉ. सीता सागर, प्रो. शैलेश गौतम, महेश श्रीवास्तव, शशांक नीरज, डॉ. कविता किरण तथा कर्नल संजय चतुर्वेदी सहित देश के प्रतिष्ठित कवि और साहित्यकार अपनी ओज, हास्य, गीत, श्रृंगार तथा समसामयिक रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं नारायण गिरि, महंत नरसिंहानंद, विधायक धर्मेश तोमर, पंकज सिंह, संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, नंदकिशोर गुर्जर, भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल तथा भारत एक्सप्रेस न्यूज नेटवर्क के अध्यक्ष एवं महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट के संरक्षक उपेंद्र राय सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम महज कवि सम्मेलन नहीं, बल्कि महाकवि नीरज के साहित्य, विचारों और मानवीय मूल्यों को समर्पित सांस्कृतिक श्रद्धांजलि होगा। कार्यक्रम के बाद सभी आमंत्रित अतिथियों और प्रतिभागियों के लिए सामूहिक रात्रिभोज की भी व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त समाचार

आईएएस की बढ़ती तैनाती पर अफसरों का विरोध, जूनियर आईएएस की तैनाती से बढ़ा असंतोष

लखनऊ, एजेंसी। विभागीय अधिकारियों में इस बात पर असंतोष है कि 20 से 25 साल की सेवा देने वाले अधिकारियों के ऊपर पांच-छह साल के राजस्व और कर के मामले में अनुभवहीन आईएएस को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने इसे इसे व्यापार कर सेवा नियमावली के प्रावधानों के विरुद्ध बताया है। राज्य कर विभाग में आईएएस अधिकारियों की स्वीकृत पदों से अधिक तैनाती का मुद्दा गरमा गया है। राज्य कर अधिकारियों के संगठन जीएसटी ऑफिसर्स सर्विस एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। शासन ने इस पत्र का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि 1.25 लाख करोड़ रुपये का राजस्व देने वाले इस महत्वपूर्ण विभाग को नए आईएएस का ट्रेनिंग सेंटर नहीं बनाना चाहिए। असंतोष की शुरुआत कानपुर में आईएएस अधिकारी की तैनाती से हुई। कानपुर में अपर आयुक्त स्तर के दो पद हैं। पहले सैमुअल पाल को नियुक्त किया गया था। अब वर्ष 2019 बैच की आईएएस अधिकारी सान्या छाबड़ा को यह जिम्मेदारी दी गई है। एसोसिएशन ने इसे व्यापार कर सेवा नियमावली के प्रावधानों के विरुद्ध बताया है।

एपीफैनी कंपाउंड जमीन घोटाले का आरोपी एलडीटीए चेयरमैन गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। दो साल पहले लेखपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पूछताछ में पूर्व मंत्री का नाम भी सामने आया है। चुन्नीगंज स्थित एपीफैनी कंपाउंड जमीन कब्जा और फर्जीवाड़ा कर बेचने के आरोप में कर्नलगंज पुलिस ने लखनऊ डायोसिस ट्रस्ट एसोसिएशन (एलडीटीए) के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं पदेन चेयरमैन रेव जानसन टी जान को गिरफ्तार किया है। उसे इस फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड माना जा रहा था। उसके खिलाफ अदालत से गैर जमानती वारंट जारी था। पुलिस ने उसे लखनऊ से पकड़ा है। मामले में पूर्व मंत्री शिव कुमार बेरिया समेत 12 पर चार्जशीट दर्ज हो चुकी है। वर्ष 2024 में लेखपाल विपिन कुमार की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसमें हाथरस निवासी रेव जानसन टी जान, चर्च ऑफ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन के अधिकृत ट्रस्टी अनिल कुमार, अर्पित मिश्र, दीपक कुमार और दुर्योधन कुमार समेत अन्य को आरोपी बनाया गया था। आरोप था कि इन लोगों ने कूट रचित दस्तावेजों से ट्रस्ट की जमीन को बेचा है। आरोप था कि अर्पित मिश्रा ने जनवरी 2021 को तलाक महल निवासी मो. सलीम उर्फ बिरयानी को 450 वर्ग गज जमीन लीज डीड पर दी थी। जांच में सामने आया कि मास्टर माइंड रेव जानसन टी जान ने ही एपीफैनी कंपाउंड की 16 हजार वर्ग गज की जमीन का पांच करोड़ रुपये में आजमगढ़ सकतपुर निवासी सैफ अहमद, रामनारायण बाजार तारघर रोड निवासी इरशाद हुसैन, चमनगंज निवासी दानिश खलीली व अधिवक्ता अनूप जायसवाल को अनुबंध किया था। इसके बाद इन चारों ने कंपाउंड की जमीन सलीम बिरियानी, मो. रईस, अर्पित मिश्र समेत लोगों को रजिस्ट्री व डीड की थी।

दो बच्चियों संग पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, बोली-सीएम योगी से मिलवाइए

गोरखपुर , एजेंसी। दबंगों के कब्जे से अपनी जमीन मुक्त कराने की मांग को लेकर सहजनवा इलाके की एक महिला रविवार को अपनी दो छोटी बच्चियों के साथ सदर तहसील परिसर स्थित करीब 100 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला को टंकी पर चढ़ा देख अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कैंट थाने की पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। करीब आधे घंटे तक चली मशक्कत और कार्रवाई के आश्वासन के बाद महिला दोनों बच्चियों के साथ नीचे उतरी। घटना रविवार पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे की है। सहजनवा क्षेत्र के मुस्तफाबाद उर्फ मलऊर गांव निवासी राहुल प्रताप सिंह की पत्नी कृष्ण कांति सिंह अपनी सात और 10 वर्ष की दो बच्चियों के साथ सदर तहसील पहुंची थीं। तहसील परिसर में प्रवेश करने के बाद वह बच्चियों को साथ लेकर टंकी पर चढ़ गई। वहां मौजूद लोगों ने सूचना पुलिस को दे दी। इसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। टंकी पर चढ़ी महिला का कहना था कि वर्ष 2017 से उसकी जमीन पर गांव के दबंगों ने कब्जा कर रखा है। कई बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने आरोप लगाया कि गांव के एक दबंग परिवार अपने रसूख के बल पर उत्पीड़न करवा रहा है। उसके प्रभाव में आकर पुलिस मुझे और पति को आए दिन थाने ले जाकर प्रताड़ित करती है और घर पहुंचकर अभद्र व्यवहार भी करती है। तहसील परिसर करीब आधे घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद वह दोनों बच्चियों के साथ सुरक्षित नीचे उतर आई। महिला ने तहसीलदार ज्ञान प्रकाश सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपा। तहसीलदार ने शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शिवपाल यादव पहुंचे गाजियाबाद, आगामी चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को किया अलर्ट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव गाजियाबाद पहुंचे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता में काफी उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने बढ़-चढ़कर उनका स्वागत किया, जिससे आगामी चुनाव में एक बार फिर से समाजवादी पार्टी का परचम लहराया जा सके। कार्यकर्ताओं ने उनसे आग्रह किया कि वह इस बार के चुनाव में कार्यकर्ताओं पर भरोसा बनाए रखें, जिससे वह एक बार फिर से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में अहम सहयोग कर सके। इसी कड़ी में उनके आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में समर्थक फूल-मालाएं लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए उनका अभिनंदन किया। शिवपाल यादव के गाजियाबाद पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया और विभिन्न संगठनात्मक तथा राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है और आने वाले समय में पार्टी को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश और देश के सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, युवाओं, मजदूरों और आम जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को पहुंचाएं तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाएं। इस अवसर पर स्थानीय नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और शिवपाल यादव के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन से पार्टी को नई ऊर्जा मिल रही है और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। नेताओं ने विश्वास जताया कि आने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। गाजियाबाद दौरे के दौरान शिवपाल यादव ने विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया और कहा कि देश के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिवपाल यादव के दौरे को लेकर सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। शिवपाल यादव के गाजियाबाद आगमन को समाजवादी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनके इस दौरे से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी की गतिविधियों को नई गति मिल सकती है। वहीं कार्यकर्ताओं में भी उनके दौरे को लेकर उत्साह देखने को मिला और उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

18 वर्ष बाद भी नहीं मिले 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड, ग्राम साबोता के किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए वर्ष 2008 में अधिग्रहित की गई भूमि के बदले अब तक 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड नहीं मिलने से नाराज ग्राम साबोता के किसानों ने बुधवार को पंचायत आयोजित कर आंदोलन तेज करने का संकेत दिया। इसके बाद सैकड़ों किसान तहसील जेवर पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर पूर्व समझौते के अनुसार शीघ्र आवासीय भूखंड आवंटित करने की मांग की।
किसानों का कहना है कि वर्ष 2008 में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्राम साबोता की भूमि का अधिग्रहण किया था। उस समय हुए समझौते के अनुसार किसानों को निर्धारित मुआवजे के साथ 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर तथा 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड दिए जाने का आश्वासन दिया गया था। किसानों का आरोप है कि भूमि अधिग्रहण के 18 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक उन्हें 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड नहीं दिए गए हैं। इस संबंध में कई बार धरना-प्रदर्शन और अधिकारियों से वार्ता भी की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।
ग्रामीणों ने कहा कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद प्राधिकरण की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे किसानों में गहरा रोष है। पंचायत में निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र ही उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर प्राधिकरण को समझौते के अनुरूप आवासीय भूखंड आवंटित कराने की मांग की।
ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमोद शर्मा, सोनू शर्मा, जयपाल शर्मा, मनोहर लाल शर्मा, सुखपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान उपस्थित रहे।

मंडी समिति में गंदगी पर एसडीएम सख्त, 9 लाख का सफाई ठेका निरस्त करने के निर्देश

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। आदर्श मंडी समिति परिसर में लंबे समय से व्याप्त गंदगी को लेकर मंडी समिति के सभापति एवं उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में फैली गंदगी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने मंडी समिति सचिव अभिषेक कुमार को तत्काल सफाई का ठेका निरस्त करने की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक स्थल की सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
कोतवाली देहात रोड स्थित आदर्श मंडी समिति में प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज बेचने आते हैं। यहां गेहूं और चावल के थोक व्यापारियों के साथ-साथ फल एवं सब्जी आढ़तियों के लिए भी बड़े शेड बने हुए हैं। प्रतिदिन सैकड़ों फुटकर व्यापारी खरीदारी के लिए मंडी पहुंचते हैं, लेकिन परिसर में फैली गंदगी के कारण किसानों, व्यापारियों और खरीदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़ते कचरे से उठने वाली दुर्गंध के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका भी बनी हुई है।
मंडी सचिव अभिषेक कुमार ने बताया कि 9 लाख रुपये वार्षिक लागत से नजीबाबाद निवासी मेराज अली को सफाई का ठेका दिया गया था। ठेका शर्तों के अनुसार तीन सफाईकर्मियों की प्रतिदिन बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराते हुए नियमित सफाई कराना अनिवार्य था, लेकिन सफाईकर्मी मौके पर नहीं आ रहे थे। शिकायतों के बाद गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर ठेकेदार को दस दिन पहले अंतिम नोटिस जारी किया गया था, जिसका निर्धारित समय में कोई जवाब नहीं मिला।
उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार ने लापरवाही को गंभीर मानते हुए ठेका निरस्त करने के निर्देश दिए। प्रशासन के अनुसार ठेका समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और भविष्य में मंडी परिसर की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांवड़ यात्रा की तैयारियां तेज, मार्गों की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंडावली स्थित मोटा महादेव मंदिर परिसर में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में यात्रा मार्गों की स्थिति, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी मार्ग पूरी तरह गड्ढामुक्त हों तथा कहीं भी जलभराव या गंदगी न रहे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।
बैठक में विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि कांवड़ मार्गों पर कहीं भी बिजली के तार लटके हुए या विद्युत पोल झुकी हुई अवस्था में न रहें। साथ ही संपूर्ण यात्रा मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वन विभाग को गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में चेतावनी संबंधी संकेतक लगाने तथा विभागीय अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और पुलिस अधिकारियों को यात्रा मार्गों, पड़ाव स्थलों, यातायात परिवर्तन योजना तथा सुरक्षा बलों की तैनाती की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए।
पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह ने जनपदवासियों से कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में प्रशासन का सहयोग करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। गोष्ठी में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी अपने सुझाव रखे। बैठक में उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, उपजिलाधिकारी नजीबाबाद शैलेंद्र सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सोल शॉट शूटिंग चैंपियनशिप में शामली के निशानेबाजों का जलवा, कनक सैनी बने चैंपियन ऑफ चैंपियंस

शामली (शिखर समाचार)। नई दिल्ली के पंजाबी बाग क्लब में आयोजित सोल शॉट शूटिंग चैंपियनशिप में शामली राइफल क्लब के प्रशिक्षु निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। थानाभवन निवासी कनक सैनी ने उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित चैंपियन ऑफ चैंपियंस का खिताब अपने नाम किया, जबकि एयर पिस्टल वर्ग में सुधीर सैनी ने रजत पदक जीतकर जिले की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।
9 से 13 जुलाई तक आयोजित इस प्रतियोगिता में डॉ. संदीप सैनी के पुत्र कनक सैनी ने एयर राइफल एनआर वर्ग में 406.3 अंक अर्जित कर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद चैंपियन ऑफ चैंपियंस के रोमांचक मुकाबले में उन्होंने सभी आठ प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर आयोजन समिति ने उन्हें 7,100 रुपये की नकद पुरस्कार राशि और आकर्षक ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कनक ने एयर राइफल एनआर यूथ वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं शामली राइफल क्लब के प्रशिक्षु सुधीर सैनी ने एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों की सफलता से जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिता से लौटने पर शामली राइफल क्लब में दोनों पदक विजेताओं का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मुकेश चौधरी, राष्ट्रीय निशानेबाज मीनाक्षी पुनिया सहित कुलवंश, ऋतिक पाल, विशेष पाल, वंश मलिक, देवा बालियान, सौरभ कुमार और शौर्य शर्मा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले 1 अभियुक्त को खोड़ा पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना खोड़ा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के खातों से रुपये निकालने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 एटीएम कार्ड, 9500 रुपये नकद और एक आईफोन बरामद किया है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 अप्रैल 2026 को कालू सीमेंट के पास स्थित एटीएम पर एक अज्ञात व्यक्ति ने सहायता के बहाने उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में उसके खाते से 26150 रुपये निकाल लिए। मामले में थाना खोड़ा में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी आकाश कुमार उर्फ अक्की पंडित उम्र 26 वर्ष निवासी सेक्टर-63, नोएडा की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह एटीएम के बाहर ऐसे लोगों को निशाना बनाता था, जिन्हें एटीएम संचालन की कम जानकारी होती थी। मदद करने के बहाने वह उनका एटीएम कार्ड बदल देता था और बातचीत के दौरान उनका पिन भी हासिल कर लेता था। इसके बाद वह असली कार्ड अपने पास रखकर विभिन्न एटीएम से रुपये निकाल लेता था। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में भी धोखाधड़ी के तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

कांवड़ यात्रा से पहले बनत में विशेष सफाई अभियान, यात्रा मार्गों की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत बनत ने तैयारियों में तेजी ला दी है। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में अधिशासी अधिकारी देवकीनंदन के नेतृत्व में बुधवार को कांवड़ यात्रा मार्ग सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सफाई कर्मियों ने मुख्य सड़कों, चौराहों और कांवड़ मार्ग से कूड़ा-कचरा हटाया, झाड़ियों की कटाई की तथा सड़कों की धुलाई कराकर मार्गों को साफ-सुथरा बनाया, ताकि शिवभक्तों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अधिशासी अधिकारी देवकीनंदन ने स्वयं अभियान का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कांवड़ यात्रा तक नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर स्वच्छता के साथ-साथ सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, पेयजल की समुचित व्यवस्था, अस्थायी शौचालयों की स्थापना तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। नगर पंचायत प्रशासन ने श्रद्धालुओं और नगरवासियों से कांवड़ यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा सफाई व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि यात्रा अवधि में लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

राम कथा मानवता, प्रेम और आदर्श जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है : राजराजेश्वर महाराज

शामली (शिखर समाचार)। मोहल्ला सरस्वती विहार कॉलोनी में श्री सनातन शिव शक्ति हनुमान मंडल के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में कथा वाचक राजराजेश्वर महाराज ने कहा कि राम कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला व्यावहारिक जीवन-दर्शन है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का चरित्र त्याग, मयार्दा, प्रेम, कर्तव्य और मानवता के सर्वोच्च आदर्शों का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब समाज तनाव, पारिवारिक विघटन और नैतिक मूल्यों के संकट से गुजर रहा है, तब राम कथा लोगों को शांति, संयम और सदाचार का मार्ग दिखाती है। राजराजेश्वर महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, संतुलन और सकारात्मक सोच बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता के प्रति सम्मान, भाईचारे की भावना, दांपत्य जीवन की पवित्रता और पारिवारिक एकता जैसे मूल्य राम कथा के मूल आधार हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम द्वारा निषादराज को गले लगाने और शबरी के प्रेम से अर्पित बेर स्वीकार करने की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राम कथा सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का अनुपम संदेश देती है। वहीं श्रीराम और हनुमान का संबंध निस्वार्थ सेवा, समर्पण और सच्ची भक्ति का सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रामराज्य की परिकल्पना न्याय, सुशासन, जनकल्याण और आदर्श नेतृत्व की प्रेरणा देती है, जिसकी आवश्यकता आज भी समाज और शासन व्यवस्था को है। सत्संग में सुरेंद्र गर्ग, रवि तायल और सुनील सैनी ने भजनों की मधुर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में अमित गर्ग, नवीन बंधु, सोमनाथ, योगेश तायल, मुकेश अरोरा, बिजेंद्र, विकास सिंघल, भारत भूषण, मोहित, अनुज तायल, हरिनारायण, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज की बदहाल सर्विस रोड बनी जानलेवा, गड्ढों और धीमी निर्माण गति से लोगों में रोष

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर राज चौराहे के निकट निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज के दोनों ओर बनाई गई सर्विस रोड की बदहाल स्थिति लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, कई स्थानों पर सड़क धंस चुकी है और बिखरी बजरी के कारण दोपहिया तथा चारपहिया वाहन चालकों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में हालात और भी गंभीर हो गए हैं। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां दिनभर भारी वाहनों के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिकों का आवागमन रहता है।
क्षेत्रवासियों के अनुसार निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज का कार्य लंबे समय से बेहद धीमी गति से चल रहा है। कई महीनों तक निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा रहा और अब भी काम बहुत धीमी रफ्तार से किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि जिस गति से निर्माण चल रहा है, उससे निर्धारित समय सीमा में पुल का निर्माण पूरा होना मुश्किल दिखाई दे रहा है। उनका आरोप है कि कुछ समय पहले ठेकेदार द्वारा बनाई गई सर्विस रोड भी गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी, जिसके कारण थोड़े ही समय में सड़क जगह-जगह से टूट गई और कई हिस्सों में धंस गई।
स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खराब सड़क के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति बनती है। दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर चोटिल हो रहे हैं, जबकि बड़े वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल और बजरी उड़ने से भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बरसात के मौसम में यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो स्थिति और अधिक विकट हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सर्विस रोड की मरम्मत कराने, गड्ढों को भरवाने तथा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है।
इस संबंध में विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने बताया कि वह इस समस्या से जिलाधिकारी को पहले ही अवगत करा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक बार फिर अधिकारियों से बात कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

यीडा की 91वीं बोर्ड बैठक में विकास परियोजनाओं को मिली रफ्तार, औद्योगिक निवेश, किसानों के हित और आधारभूत ढांचे से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की 91वीं बोर्ड बैठक बुधवार को प्राधिकरण के सभाकक्ष में अध्यक्ष एवं अपर मुख्य सचिव (औद्योगिक विकास) आलोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के वित्तीय प्रदर्शन, औद्योगिक विकास, निवेश, आधारभूत ढांचे के विस्तार, किसानों के हितों, अग्नि सुरक्षा, सार्वजनिक परिवहन, पर्यावरण संरक्षण तथा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र के नियोजित विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। सचिव राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों के एजेंडा बिंदुओं को संचालक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया।

बैठक में प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 जून 2026 तक यीडा की कुल प्राप्तियां 1,371.75 करोड़ रुपये दर्ज की गई हैं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 640.01 करोड़ रुपये था। इस प्रकार प्राप्तियों में 114.33 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि में कुल व्यय 2,101.96 करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 1,741.40 करोड़ रुपये भूमि क्रय पर खर्च किए गए। औद्योगिक एवं मिश्रित भूमि योजनाओं से 660.14 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो इस मद में पूरे वर्ष के बजट का लगभग 47.5 प्रतिशत है। बोर्ड ने इसे निवेशकों के बढ़ते विश्वास और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक संकेत माना। प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुरूप हाईराइज भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा को 50 करोड़ रुपये

उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा एमएसएमई पार्क, हस्तशिल्प पार्क, टॉय पार्क, अपैरल पार्क तथा मेडिकल डिवाइस पार्क की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि पिछले एक माह के दौरान 63 लीज डीड निष्पादित की गईं, 118 आवंटियों को भूखंडों का कब्जा सौंपा गया, 62 भवन मानचित्र स्वीकृत किए गए, 84 परियोजनाओं में निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ, 15 औद्योगिक इकाइयों ने उत्पादन शुरू किया तथा 12 इकाइयों का कारखाना अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण किया गया। बैठक में यीडा क्षेत्र में एनटीपीसी द्वारा संचालित विद्युत एवं हाइड्रोजन बसों के संचालन की समीक्षा करते हुए सार्वजनिक परिवहन को और अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने के निर्देश दिए गए। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से ग्राम धनौरी वेटलैंड के निकट ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए 200 मीटर भूमि किराये पर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। साथ ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दक्षिणी क्षेत्र, आगरा की ओर, को औद्योगिक नोड के रूप में विकसित करने की महायोजना को मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त चीन के यीवू इंटरनेशनल ट्रेड सिटी की तर्ज पर यीडा इंटरनेशनल ट्रेड सिटी विकसित करने की अवधारणा पर भी विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसका बोर्ड ने अवलोकन किया। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण के तुरंत बाद किसानों को सात प्रतिशत आबादी भूखंड का आरक्षण पत्र उपलब्ध कराया जाए। साथ ही भविष्य में आने वाली वाणिज्यिक होटल योजनाओं में बेहतर एवं निवेशक हितैषी नियमों को शामिल करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। बैठक में लंबित रियल एस्टेट परियोजनाओं की समीक्षा के साथ भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को सेक्टर-9 में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं की स्थापना के लिए 30 एकड़ भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके अलावा विभिन्न औद्योगिक सेक्टरों तथा प्रस्तावित मास्टर प्लान सड़क के लिए आवश्यक भूमि क्रय संबंधी प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बोर्ड के इन निर्णयों से यीडा क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और नियोजित शहरी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बड़े बकायदारों के खिलाफ चलाएं विशेष अभियान, राजस्व वसूली में शिथिलता नहीं होगी बर्दाश्त: जिलाधिकारी मेघा रूपम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विविध राजस्व देयों की वसूली की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन, श्रम, स्टांप, विद्युत, रेरा, बैंक सहित विभिन्न विभागों के लंबित बकायों और राजस्व वसूली की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि सभी संबंधित विभाग बड़े बकायदारों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर लंबित देयों की प्रभावी और समयबद्ध वसूली करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वसूली कार्य की नियमित निगरानी के लिए संबंधित उपजिलाधिकारी अमीनों का रोस्टर तैयार करें और

उसी के अनुरूप प्रतिदिन वसूली अभियान संचालित कराया जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए बड़े बकायदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

रेरा के लंबित मांग पत्रों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों को ठोस कार्ययोजना बनाकर विशेष अभियान चलाने तथा शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित राजस्व वसूली लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं, ताकि विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार जेवर प्रतीक सिंह, तहसीलदार सदर पूजा चौधरी, तहसीलदार दादरी कृष्ण कुमार चौरसिया तथा संबंधित राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के 17 गांवों में लगेंगी 2600 एलईडी स्ट्रीट लाइटें, 3.5 करोड़ रुपये होंगे खर्च

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के 17 गांवों में जल्द ही करीब 2600 एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इस परियोजना पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्ट्रीट लाइटें लगने से गांवों के डार्क जोन समाप्त होंगे, रात के समय आवागमन सुगम होगा और सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इसके लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली है तथा स्थान चिह्नित करने का सर्वे भी पूरा हो चुका है। अगले एक माह में लाइटें लगाने का कार्य शुरू होने की संभावना है।

प्राधिकरण के अनुसार सूरजपुर, भोला रावल, तिलपता करनवास, कुलेसरा, कैलाशपुर उर्फ किराचपुर, बिसरख, ऐमनाबाद, सादोपुर, इटेड़ा, खोदना खुर्द, खैरपुर गुर्जर, छपरौला, खेड़ा धर्मपुरा, मिलक लच्छी, खेड़ी, भनौता और सुनपुरा गांवों में डार्क जोन चिह्नित किए गए हैं। इन सभी स्थानों पर आधुनिक एलईडी स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन. जी. रवि कुमार के निर्देश पर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने पूरी प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाते हुए निविदा और सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लगातार पुरानी सोडियम स्ट्रीट लाइटों को हटाकर ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइटें स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही उन क्षेत्रों को भी रोशन किया जा रहा है जहां अब तक पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं थी। प्राधिकरण के अनुसार अब तक ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों

और गांवों में एक लाख से अधिक एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। नई परियोजना पूरी होने के बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इन गांवों में भी रात्रिकालीन आवागमन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगा।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के डार्क जोन को चिन्हित कर चरणबद्ध तरीके से एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 17 गांवों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अगले एक माह में कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उनका कहना है कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था से न केवल अंधेरे वाले क्षेत्रों की समस्या दूर होगी, बल्कि अपराध नियंत्रण और आम नागरिकों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

'वंदे माँ नर्मदे' पुस्तक का भव्य लोकार्पण, दिल्ली समारोह में हापुड़ के समाजसेवी आदेश त्यागी रहे शामिल

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में 'वंदे माँ नर्मदे' पुस्तक का लोकार्पण निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि एवं महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती द्वारा किया गया। समारोह में हापुड़ निवासी समाजसेवी आदेश त्यागी (असौड़ा वाले) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आचार्य शुभेष शर्मन द्वारा लिखित यह पुस्तक माँ नर्मदा की महिमा, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा पर आधारित है। संतों ने इसे भारतीय सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कृति बताया।

स्वामी कैलाशानंद गिरि ने कहा कि माँ नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवनधारा हैं। ऐसी पुस्तकें समाज में धर्म, संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम बनती हैं।

समारोह के दौरान समाजसेवी आदेश त्यागी ने स्वामी कैलाशानंद गिरि से भेंट कर धर्म, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों पर चर्चा भी की।

लंबित ऋण आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करें बैंक, जनपद का सीडी रेशियो बढ़ाने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों एवं जिला समन्वयकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लंबित ऋण आवेदनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं के ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण और स्वीकृति सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बैंक शाखाओं ने 15 से कम ऋण आवेदन स्वीकृत किए हैं,

उनकी सूचना शासन को उपलब्ध कराई जाए। सीडी रेशियो की समीक्षा के दौरान उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुरूप जनपद का सीडी रेशियो बढ़ाने के लिए ऋण वितरण में तेजी लाने तथा प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले बैंकों की अलग से समीक्षा की जाएगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी पात्र आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने तथा बैंक और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के खाते प्राथमिकता के आधार पर खोलने और उन्हें आवश्यकतानुसार ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी मदन मोहन मणि त्रिपाठी, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि और जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर बनाते थे साइबर ठग लोगों को शिकार, 3 पुरुष अभियुक्त सहित 17 महिला अभियुता गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कॉल सेंटर को लेकर गाजियाबाद में पुलिस ने एक विशेष अभियान चला दिया है, जिससे लोगों को साइबर ठगों का शिकार होने से बचाया जा सके। पुलिस लगातार अवैध रूप से चल रहे कॉल सेंटर पर छापा मारकर उनका संचालन कर रहे लोगों को गिरफ्तार कर रही है। स्वाट टीम, क्राइम ब्रांच और साहिबाबाद थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया गया है। पुलिस ने साहिबाबाद क्षेत्र में संचालित एक अवैध कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह गिरोह बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर उनसे रजिस्ट्रेशन, प्रोसेसिंग फीस और इंटरव्यू शुल्क के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। दुर्गा इंडस्ट्रियल एरिया राजेंद्र नगर चौकी क्षेत्र में की कार्यवाही में एक फर्जी कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था, जहां से युवाओं को नौकरी दिलाने का लालच देकर उनसे धन उगाही की जा रही थी। जांच के दौरान मुख्य आरोपी और कॉल सेंटर के संचालक अभिषेक जैन ने पुलिस को बताया कि उसने जैनसन इंटरनेशनल के नाम से एक फर्म रजिस्टर्ड करा रखी थी, जिसका वास्तविक कारोबार सूखे मेवे बेचने का था। इसी फर्म की आड़ में वह अपनी पत्नी लीना, रिश्तेदारों और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर एक फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। कॉल सेंटर में कई महिलाओं और पुरुषों को नौकरी पर रखा गया था, जिनका काम बेरोजगार युवाओं को फोन कर उन्हें आकर्षक नौकरियों का झांसा देना था। इंटरनेट और विभिन्न रोजगार वेबसाइटों से नौकरी तलाश रहे युवाओं का डेटा खरीदते थे। इसके बाद कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मचारी उन युवाओं को फोन कर बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने का भरोसा देते थे। शुरूआत में रजिस्ट्रेशन फीस, फिर प्रोसेसिंग

फीस, इंटरव्यू फीस और अन्य विभिन्न शुल्कों के नाम पर उनसे रकम वसूली जाती थी। कई बार युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनकी नियुक्ति लगभग तय है और अंतिम प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त भुगतान करना आवश्यक है। इस तरह आरोपी बेरोजगार युवाओं की मजबूरी का फायदा उठाकर उनसे ठगी करते थे।गिरोह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य तकनीकी संसाधन विशेष रूप से ठगी के लिए उपलब्ध कराए जाते थे। कॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों को फर्जी आईडी पर लिए गए प्रीपैड मोबाइल फोन और सिम कार्ड दिए जाते थे ताकि उनकी गतिविधियों का आसानी से पता न लगाया जा सके। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह का संपर्क अन्य राज्यों या बड़े साइबर अपराध नेटवर्क से तो नहीं है। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक जैन, पीयूष जैन, लीना पंवार, आंचल जैन सहित कुल 20 लोग शामिल हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं, जो कॉल सेंटर में कॉलिंग एजेंट के रूप में कार्य कर रही थीं। सभी आरोपियों की भूमिका की अलग-अलग जांच की जा रही है और जो लोग ठगी की साजिश में सीधे तौर पर शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर इस कॉल सेंटर के खिलाफ अब तक 24 शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। इससे संकेत मिलता है कि गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को अपना शिकार बना चुका था। पुलिस अब इन शिकायतों का विश्लेषण कर रही है ताकि ठगी की कुल राशि और पीड़ितों की वास्तविक संख्या का पता लगाया जा सके। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। ऐसे में युवाओं को किसी भी नौकरी के प्रस्ताव पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। किसी भी कंपनी या एजेंसी को नौकरी दिलाने के नाम पर रजिस्ट्रेशन फीस या अन्य शुल्क देने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधि का सामना करता है तो उसे तत्काल साइबर हेल्पलाइन या पुलिस से संपर्क करना चाहिए। गाजियाबाद पुलिस की इस कार्रवाई को साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से न केवल एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा हुआ है, बल्कि बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने वाले अपराधियों को भी कड़ा संदेश गया है कि ऐसे अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, सैनिक भवन निर्माण का हुआ शुभारंभ

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन की ओर से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर गोविंदपुरी स्थित सुचेता पुरी कॉलोनी में प्रस्तावित सैनिक भवन के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। भवन निर्माण की शुरूआत विधायक मंजू सिवाच, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली तथा कारगिल युद्ध के परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव ने ईंट रखकर और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन के साथ की। कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों ने मोदी मंदिर से दिल्ली-मेरठ मार्ग होते हुए मुल्तानी मल मोदी पीजी कॉलेज तक भव्य रैली निकाली, जिसमें कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। अपने प्रेरक संबोधन में कैप्टन यादव ने कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और पराक्रम का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों और दुर्गम चोटियों पर जान की परवाह किए बिना भारतीय सेना ने विजय प्राप्त कर देश का गौरव बढ़ाया। संगठन के अध्यक्ष मनोज शर्मा ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण सिंह राठी ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, सत्येंद्र तोमर, बालचंद बंसल, अरुण त्यागी सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, गणमान्य नागरिक और एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, तेजाब पिलाने के मामले में एक गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। फेसबुक पर हुई दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और बाद में महिला को कथित रूप से तेजाब पिलाने के गंभीर मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मामले में नामजद उसकी बहन की तलाश के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार महिला की शिकायत के आधार पर प्रकरण की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पीड़िता, जो नगर की एक कॉलोनी की रहने वाली है, ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी फेसबुक के माध्यम से मुरादनगर थाना क्षेत्र के रावली कला निवासी अमित चौधरी से पहचान हुई थी। बातचीत बढ़ने पर आरोपी ने उससे शादी का वादा किया और इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि बाद में आरोपी उसे बुलंदशहर स्थित अपनी बहन के घर ले गया, जहां दोनों ने मिलकर उसे कथित रूप से तेजाब पिला दिया। इससे उसकी हालत गंभीर हो गई। आरोप है कि तबीयत बिगड़ने पर दोनों उसे अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू की। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि मुख्य आरोपी अमित चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में नामजद उसकी बहन की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जहरीले जीव के काटने से बुजुर्ग किसान की मौत, परिजनों ने गोयरा के काटने का जताया संदेह

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव उटरावली में एक बुजुर्ग किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले जीव के काटने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का दावा है कि लकड़ियां हटाते समय बुजुर्ग को छिपकली की प्रजाति माने जाने वाले गोयरा ने काट लिया था, जबकि पुलिस का कहना है कि उसे इस संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार गांव उटरावली निवासी किसान लाल सिंह (73 वर्ष) मंगलवार की शाम अपने घर के एक हिस्से में रखी लकड़ियों को व्यवस्थित कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें किसी जहरीले जीव ने काट लिया। बताया जाता है कि काटते ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। परिवार के सदस्य तत्काल उन्हें उपचार के लिए रबूपुरा स्थित एक निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों का कहना है कि लकड़ियों के बीच छिपकली की प्रजाति का गोयरा मौजूद था और उसी के काटने से लाल सिंह की मौत हुई है। हालांकि इस दावे की अभी तक किसी चिकित्सकीय या प्रशासनिक स्तर पर पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षा के मौसम में खेतों और घरों के आसपास झाड़ियों तथा लकड़ियों के ढेर में जहरीले जीवों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उधर, पुलिस का कहना है कि घटना की कोई औपचारिक सूचना थाने में नहीं दी गई है। यदि परिजन शिकायत करते हैं या पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कोई तथ्य सामने आता है तो उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसटीएफ का बड़ा खुलासा, फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बरेली विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और नहटौर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। टीम ने नहटौर क्षेत्र के गांव फूलसंदा हीरा में छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से बड़ी संख्या में फर्जी लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, दो लैपटॉप, एडॉप्टर, कंप्यूटर माउस, फर्जी आधार कार्ड तथा विभिन्न बैंकों की चेकबुक सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। थाना प्रभारी कृष्ण अवतार ने बताया कि बरेली एसटीएफ की टीम को फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर स्थानीय पुलिस को साथ लेकर गांव निवासी इब्राहिम अंसारी के घर पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान घर के भीतर बड़े पैमाने पर फर्जी लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करने का अवैध कारोबार संचालित होता मिला। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया,

जबकि बरामद उपकरणों और दस्तावेजों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, एसटीएफ की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह का नेटवर्क किन-किन जिलों और राज्यों तक फैला हुआ है तथा फर्जी लाइसेंस और अन्य दस्तावेज कितने लोगों को उपलब्ध कराए गए। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुट गई है। इस कार्रवाई को फर्जी दस्तावेजों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को सिम्भावली पुलिस ने किया गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली थाना पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मुकदमा संख्या 184/2026 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश की जा रही थी। थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी

आदित्य उर्फ मंत्री, पुत्र भगत सिंह, निवासी थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ को केडी कॉलेज के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75, 78, 351(3) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 7/8 के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को कानून के दायरे में लाया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक पयतेंद्रपाल सिंह तथा महिला उपनिरीक्षक रीना चाहर शामिल रहीं।

संपादकीय

होर्मुज की आग और विश्व शांति की सबसे कठिन परीक्षा

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां किसी भी क्षण लिया गया सैन्य या राजनीतिक निर्णय पूरी दुनिया की दिशा बदल सकता है। 15 जुलाई 2026 तक की स्थिति यह संकेत दे रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय शांति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। लगातार चौथे दिन अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने, ईरान द्वारा बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमलों के दावों तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई चेतावनी ने इस संकट को और अधिक गंभीर बना दिया है। यदि आने वाले दिनों में संयम नहीं बरता गया तो यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को लंबे युद्ध की ओर धकेल सकता है, जिसका सबसे बड़ा नुकसान उन आम नागरिकों को उठाना पड़ेगा जिनका इस विवाद से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। अमेरिका का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में अपने सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा ईरान की सैन्य क्षमताओं को सीमित करना है। दूसरी ओर ईरान इसे अपनी संप्रभुता पर हमला बताते हुए हर कार्रवाई का जवाब देने की बात कर रहा है। तेहरान ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह दबाव की राजनीति के सामने झुकने वाला नहीं है। यही वह स्थिति है जो इस संकट को अधिक खतरनाक बनाती है। जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति को सही मानते हुए पीछे हटने को तैयार नहीं होते, तब युद्ध का दायरा धीरे-धीरे बढ़ने लगता है और उसके परिणाम किसी के नियंत्रण में नहीं रहते। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे संवेदनशील पहलू होर्मुज स्ट्रेट है। विश्व के तेल और गैस व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। यदि यहां सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ती हैं या जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता स्वाभाविक है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, परिवहन लागत में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव का असर दुनिया के लगभग हर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। महंगे तेल का सीधा प्रभाव महंगाई, उद्योग, परिवहन, कृषि और आम उपभोक्ता के दैनिक जीवन पर दिखाई देगा। इसलिए यह संकट केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका आर्थिक प्रभाव विश्वव्यापी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह बयान कि यदि ईरान समझौते के लिए आगे नहीं आया तो अगले चरण में बिजलीघरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण ढांचों को भी निशाना बनाया जाएगा, संघर्ष को और गंभीर बना देता है। आधुनिक युद्धों में जब नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले होने लगते हैं तो उसका सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है। बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं और संचार व्यवस्था प्रभावित होने से मानवीय संकट तेजी से गहराता है। संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं लगातार इस बात पर जोर देती रही हैं कि किसी भी सैन्य कार्रवाई में नागरिक ढांचे को यथासंभव सुरक्षित रखा जाना चाहिए। यदि यह सीमा टूटती है तो युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं रह जाता, बल्कि मानवीय त्रासदी में बदल जाता है। ईरान की ओर से बहरीन, कुवैत और जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमलों के दावों ने यह संकेत दिया है कि संघर्ष का दायरा क्षेत्रीय स्तर पर फैल सकता है। यदि खाड़ी के अन्य देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस टकराव में शामिल होते हैं तो पश्चिम एशिया की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह बदल सकती है। इस क्षेत्र में पहले से मौजूद अनेक राजनीतिक और सामरिक तनाव इस संकट को और जटिल बना सकते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

दिमागी दिव्यांग किसी भी वैचारिक बैसाखी के सहारे नहीं चल सकता।

~~~~~~~~

©

विनय संकोची

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मयार्दा पुरुषोत्तम मानते हैं।

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्व कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

~~~~~~~~

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते–पहुंचते बारीक–बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे–धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे–भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग–बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं :

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म–ए–शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं :

हज़रतबल दरगाह– जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर– जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद– पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेज़िडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता – कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए – यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है– जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

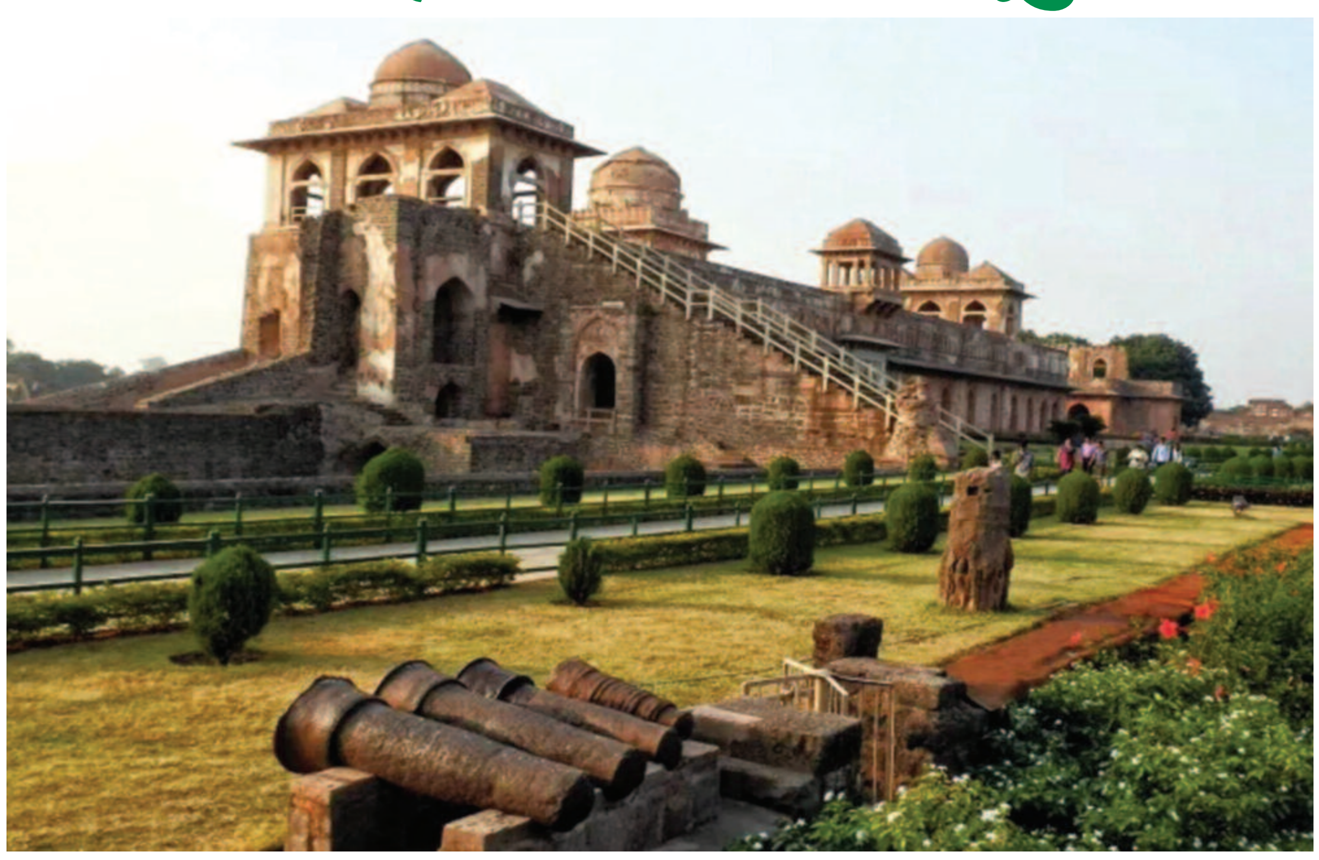

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ–साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर–जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक–संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई–सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

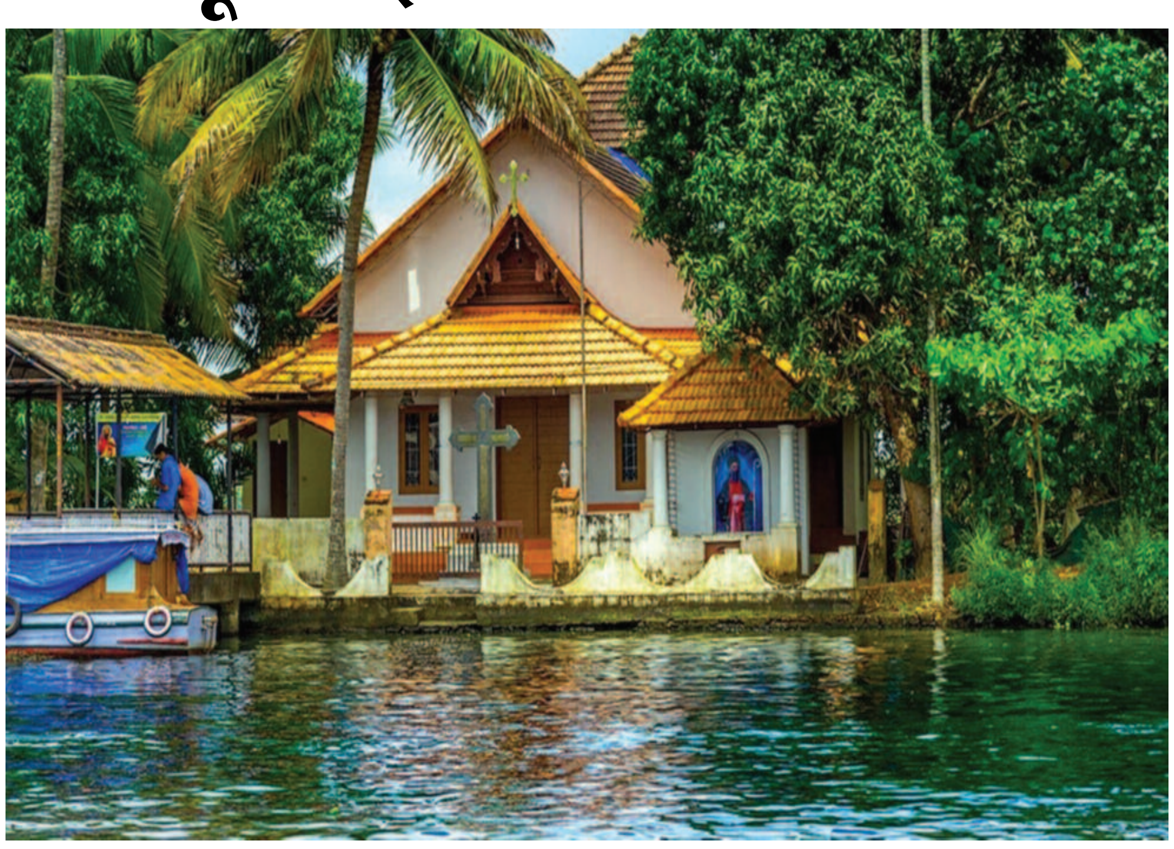

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे–भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे–भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला–खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों का रुझान कुछ हद तक कमजोर होता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,109 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी के सितंबर अनुबंध में 1,263 रुपये की गिरावट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अगस्त अनुबंध ने कारोबार की शुरुआत 1,109 रुपय की बड़ी गिरावट के साथ 1,41,148 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर की। इसका पिछला बंद भाव 1,42,257 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था।

वहीं इसी प्रकार चांदी के सितंबर अनुबंध में भी कमजोर आई है। यह 1,263 रुपये की गिरावट के साथ 2,21,926 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,23,189 था। कारोबार के दौरान यह 729 की कमी के साथ 2,22,460 पर पहुंच गया। इस अवधि में चांदी ने 2,22,497 का उच्चतम और 2,21,064 का न्यूनतम स्तर छुआ। चांदी का इस साल का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,059.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,069.70 डॉलर प्रति औंस से कम था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर हासिल किया था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.04 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जबकि पिछला बंद भाव 59.10 डॉलर था। यह 0.34 डॉलर की गिरावट के साथ 58.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी का इस साल का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, ।

देश में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 12,73,811 इकाई रही। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया तनाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10,11,884 इकाई रही। इससे पहले 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड करीब 10.3 लाख इकाई की बिक्री दर्ज की गई थी। सियाम के मुताबिक पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 20.3 फीसदी बढ़कर 56,28,675 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 46,77,990 इकाई थी। संगठन ने कहा कि तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी पहली तिमाही में अब तक के उच्चतम स्तर 2,14,339 इकाई पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 1,65,211 इकाई की तुलना में 29.7 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी सर्वाधिक 2.65 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 18.3 फीसदी ज्यादा है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज बढ़कर 390 करोड़, पहली तिमाही में बिक्रि बुकिंग 25 प्रतिशत घटी

मुंबई ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अपने शुद्ध कर्ज में वृद्धि और बिक्री बुकिंग में गिरावट दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध कर्ज मार्च 2026 के अंत के 200 करोड़ से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 390 करोड़ हो गया है। इस अवधि में, कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 प्रतिशत घटकर 1,970 करोड़ रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,640 करोड़ रुपए थी।कंपनी ने बताया कि बिक्री बुकिंग में यह गिरावट मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा में कमी के कारण हुई है। समीक्षाधीन तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल ने मात्र 226 इकाइयों की बिक्री की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 778 थी। क्षेत्रफल के लिहाज से भी, कंपनी ने 7.2 लाख वर्ग फुट की बिक्री की, जो पिछले साल के 16.2 लाख वर्ग फुट से काफी कम है।हालांकि, कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति पर जोर देकर बताया कि 30 जून, 2026 तक उसके पास 2,522 करोड़ रुपए की नकदी और बैंक जमा थे। यह राशि भविष्य की वृद्धि और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराती है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 8,250 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की थी और बिक्री बुकिंग के आधार

पर सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों में पांचवें स्थान पर रही थी। अप्रैल में, कंपनी ने इटली के लाइफस्टाइल ब्रांड टोनिनो लैम्बॉर्गिनी के साथ गुरुग्राम में करीब 2,900 करोड़ रुपए के निवेश से एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी भी की है।

एसबीआई फंड आईपीओ दूसरे दिन 78 फीसदी सब्सक्राइब, 21 को हो सकती है लिस्टिंग?

नई दिल्ली, ।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट आईपीओ का बुधवार को दूसरा दिन है। सुबह 10¬04 बजे तक आईपीओ 78 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रिटेल निवेशकों का हिस्सा 72 फीसदी, पात्र खरीदार का हिस्सा 8 फीसदी और गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 161 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। अभी तक सबसे बोली एनआईआई ने लगाई है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल करीब 15फीसदी चल रहा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 545 रुपए से 574 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह 9,813 करोड़ रुपए का आईपीओ है, जिसे पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया गया है। इसमें कंपनी के प्रमोटर भारतीय स्टेट बैंक और अम्यून्दी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओएफएस में 17.09 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री होगी। आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद होगा।

टेक महिंद्रा के नतीजों पर बाजार की नजर- मुनाफे में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की उम्मीद

आज होगा ऐलान

मुंबई, ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टेक महिंद्रा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे 16 जुलाई को जारी करेगी। बाजार विश्लेषकों और ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि कंपनी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है, जिसमें मुनाफे (पीटीए) में 40 प्रतिशत से अधिक की सालाना बढ़ोतरी और राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि प्रमुख है। इन नतीजों पर निवेशकों और बाजार की गहरी नजर, खासकर जब इसी दिन आईटी क्षेत्र की एक और प्रमुख कंपनी विप्रो भी अपने आंकड़े जारी करेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आईटी सेक्टर के लिए मौजूदा कारोबारी माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और बड़े सौदों (डील्स) को अंतिम रूप देने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियां अभी भी उद्योग पर संकट पैदा कर रही हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि टेक महिंद्रा को बड़े डील्स से महत्वपूर्ण ग्रोथ मिलेगी। फर्म के अनुसार, कंपनी के सीईओ मोहित जोशी के नेतृत्व में परिचालन दक्षता में सुधार देखा गया है।

अमेरिकी महंगाई घटने के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे आया

फेड ने कहा- अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा

नई दिल्ली, ।

अमेरिका में डॉलर इंडेक्स दूसरे दिन भी कमजोर रहा और 101 के स्तर से नीचे फिसल गया। जून में महंगाई के नरम पड़ने से निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व फिलहाल ब्याज दरों में जल्दबाजी नहीं करेगा। हालांकि फेड ने साफ कर दिया है कि उसका अगला फैसला केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा, किसी राजनीतिक दबाव के आधार पर नहीं। अमेरिका में जून 2026 में सालाना महंगाई दर घटकर 3.5 फीसदी रह गई, जबकि मई में यह 4.2 फीसदी थी। यह आंकड़ा बाजार के 3.8 फीसदी के अनुमान से भी बेहतर रहा।वहीं मासिक आधार पर उपभोक्ता कीमतों में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एक महीने में उपभोक्ता कीमतों में गिरावट आई है। महंगाई के नरम आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे चल गया। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक का काम महंगाई को नियंत्रित करना और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि फेड अपने फैसले केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर लेगा और किसी तरह के राजनीतिक दबाव में काम नहीं करेगा। वार्श ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उन पर दबाव डालते हैं तो भी वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने दोहराया कि फेड की स्वतंत्रता सर्वोच्च है और उसकी विश्वसनीयता इस पर टिकी है।सुनवाई में चेयरमैन से पूछा कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ब्याज दरें घटाने के लिए दबाव बनाते हैं तो वह क्या करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि फेड के बाहर राजनीति हो सकती है, लेकिन केंद्रीय बैंक के अंदर राजनीति की कोई जगह नहीं है। उनका लक्ष्य महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक वापस लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक महीने के महंगाई के आंकड़ों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि महंगाई की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। फेड चेयर ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी महंगाई को फिर बढ़ा सकती है। ऐसे में फेड आगे भी हर आर्थिक आंकड़े पर नजर रखेगा और उसी के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला करेगा।महंगाई के ताजा आंकड़ों के बाद बाजार को अब जुलाई की 28 से 29 जुलाई की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना काफी कम नजर आ रही है। निवेशकों के मुताबिक जुलाई में दरें बढ़ने की संभावना करीब 12 फीसदी है, जो पहले करीब 42 फीसदी थी। हालांकि सितंबर की 15 से 16 सितंबर की बैठक को लेकर तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। बाजार फिलहाल करीब 53 फीसदी संभावना मान रहा है कि फेड सितंबर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ में भारी कटौतीः भारत को बड़ी राहत

500 प्रतिशत को घटाकर 100 प्रतिशत किया

वाशिंगटन, ।

अमेरिका की सीनेट ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर लगाने वाले प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण बिल में बड़ा बदलाव किया है, जिससे भारत सहित कई देशों को राहत मिली है। पहले प्रस्तावित अधिकतम 500 प्रतिशत टैरिफ को अब घटाकर 100 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही, यह टैरिफ सभी देशों पर नहीं, बल्कि केवल रूस के पांच सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस खरीदारों पर ही लागू होगा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह निर्णय रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े सैंक्शनिंग रशिया एक्ट के संशोधित संस्करण के तहत हुआ है।इस बिल को पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, जिसमें रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। संशोधित बिल में टैरिफ दर में भारी कमी और इसके दायरे को सीमित करना सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है। अब यह टैरिफ केवल चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देशों पर ही लागू होगा, जो रूस के पांच सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं। वॉशिंगटन में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इसकी अधिकतम दर 100 प्रतिशत होगी, और विशेष परिस्थितियों में सीमित छूट का प्रावधान भी होगा।

इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने आगे बढ़ाया था। ग्राहम ने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बिल को आगे बढ़ाने पर सहमति बना ली थी, जो एक साल से अधिक समय की बातचीत के बाद बनी थी। सीनेट के सहयोगियों के अनुसार, बिल को पहले ही 26 सीनेटरों का समर्थन मिल चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है।संशोधित बिल में उन देशों के लिए भी छूट का प्रावधान है, जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं और रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। सीनेट के सहयोगियों के मुताबिक, इस छूट का फायदा जापान, फ्रांस, हंगरी और बेल्जियम जैसे देशों को मिल सकता है।

16-17 जुलाई को उत्तराखंड-मेघायल में बंद रहेंगे बैंक, अन्य जगह होगा कामकाज

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के मुताबिक 16-17 जुलाई को पूरे देश में बैंक बंद नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्रीय त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण केवल कुछ राज्यों में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। आरबीआई के मुताबिक 16 जुलाई गुरुवार को उत्तराखंड में लोक पर्व हरेला तथा मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के अवसर पर सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन दोनों राज्यों के अलावा देश के अन्य सभी हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और नियमित कामकाज होगा।

17 जुलाई शुक्रवार को केवल मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के उपलक्ष्य में बैंक अवकाश रहेगा। इस तरह मेघालय में लगातार दो दिन 16-17 जुलाई को बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। वहीं उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में शुक्रवार को बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यूपीआई के जरिए गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अन्य डिजिटल भुगतान सेवाएं पहले की तरह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक एटीएम के जरिए नकदी निकाल सकेंगे और जहां कैश डिपॉजिट मशीन उपलब्ध हैं, वहां नकदी जमा करने की सुविधा भी जारी रहेगी। हालांकि चेक जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना, केवाईसी अपडेट कराना, लॉकर संचालन या अन्य शाखा आधारित कार्य अवकाश वाले राज्यों में संभव नहीं होंगे। ऐसे में जिन ग्राहकों को बैंक शाखा में जाकर जरूरी काम करना है, उन्हें स्थानीय अवकाश को ध्यान में रखते हुए पहले से कर लें।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करेंः आरबीआई

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी।

संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है।

बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है।

वही कीमत, कम वजनः श्रिंकफ्लेशन से महंगाई की नई चाल

मुंबई, ।

महंगाई का असर अब केवल बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं रहा है। बाजार में एक नई प्रवृत्ति तेजी से देखने को मिल रही है, इस अर्थशास्त्र की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। इसमें कंपनियां उत्पाद की कीमत पहले जैसी ही रखती हैं, लेकिन उसकी मात्रा या वजन कम करती हैं। नतीजतन, उपभोक्ता को पहली नजर में कीमत में कोई बदलाव नहीं दिखता, जबकि प्रति ग्राम या प्रति किलो के हिसाब से अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। यह छिपी हुई महंगाई उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली-एनसीआर के बाजारों, सुपरमार्केट और मॉल्स में कई इसतरह के उत्पाद मिल रहे हैं, जिनकी पैकेजिंग पहले जैसी दिखती है लेकिन उनका वजन घट चुका है। पहले जहां 1 किलो के पैक उपलब्ध होते थे, वहीं अब 950 ग्राम, 900 ग्राम या 850 ग्राम के पैक बाजार में बिक रहे हैं। इसी तरह 500 ग्राम की जगह 450 ग्राम और 200 ग्राम की जगह 180 या 170 ग्राम के पैक भी आम हो गए हैं। इसका सबसे अधिक असर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, इंस्टेंट नूडल्स, चाय, कॉफी, मसाले, डिटर्जेंट, साबुन, शैंपू, खाद्य तेल और आटे जैसे उत्पादों पर दिखाई दे रहा है।

दुकानदारों का कहना है कि कंपनियां कीमत बढ़ाने से बचने के लिए तरीका अपना रही हैं। यदि किसी उत्पाद की कीमत सीधे बढ़ाई जाए, तब ग्राहक तुरंत प्रतिक्रिया देता है, लेकिन उसी कीमत पर वजन कम होने पर अधिकांश लोग ध्यान नहीं देते। वहीं, उपभोक्ता संगठनों का मानना है कि यह कानूनी रूप से गलत नहीं है, क्योंकि कंपनियां पैकेट पर वास्तविक वजन स्पष्ट रूप से लिखती हैं।

क्यूबा में फिर गहराया बिजली संकट, ब्लैकआउट से करीब 90 लाख लोग प्रभावित

पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं

नई दिल्ली, ।

क्यूबा एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। मंगलवार को देश की राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जिसके चलते पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह तीसरी बार है जब पूरे देश में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। बिजली संकट ने पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्यूबा की सरकारी बिजली कंपनी के मुताबिक पूर्वी प्रांत होलगुइन स्थित एक बिजली उत्पादन इकाई में तकनीकी खराबी आने से ग्रिड की फ्रीक्वेंसी अचानक बदल गई। इसके कारण राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैकआउट के बाद ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक यूनियन ने बिजली बहाल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। इसके तहत छोटे-छोटे बिजली नेटवर्क तैयार कर उन्हें आपस में जोड़कर अस्पतालों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली दी जा रही है। राजधानी हवाना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद बिजली बहाल कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक शहर के करीब 4 फीसदी हिस्से में बिजली आपूर्ति शुरू हो चुकी है। वहीं ग्वांतानामो, सिएनफुएगोस और मातांजास जैसे प्रांतों में भी अस्पतालों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल होने लगी है।यह पहली बार नहीं है जब क्यूबा को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह भी देशभर में बड़े पैमाने पर ब्लैकआउट हुआ था, जिससे करीब 90 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे पहले मार्च में भी दो बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली व्यवस्था ठप हो चुकी है, जबकि कई क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती की घटनाएं सामने आई थीं।

क्यूबा लंबे समय से ईंधन की कमी से जूझ रहा है। देश अपनी जरूरत का केवल करीब 40 फीसदी ईंधन ही खुद तैयार कर पाता है।, जबकि बाकी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इस साल जनवरी से ईंधन संकट और गहरा गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जो क्यूबा को तेल बेचते या उपलब्ध कराते हैं।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू होगी

नई दिल्ली, ।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है।सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने वाली टीमों का धन्यवाद किया।

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आईं जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट

122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

पहले दौर के नतीजे

- **विमेंस सिंगल्स :** पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स :** ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स :** फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
- **मेन्स डबल्स :** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

स्पेन ने फ्रांस को हराया

● 16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

● **स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-** सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

● बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत ● सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकी पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, क्चष्टष्ठ को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3949

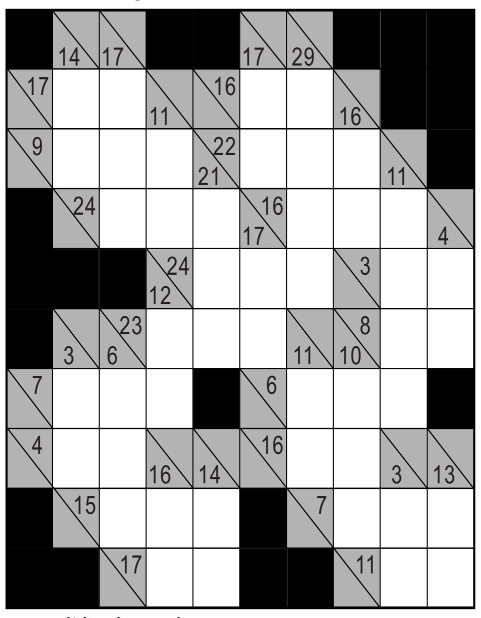

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

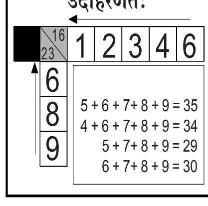

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3948 का हल

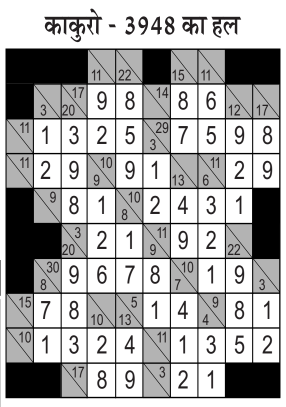

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

□ □ □

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3949

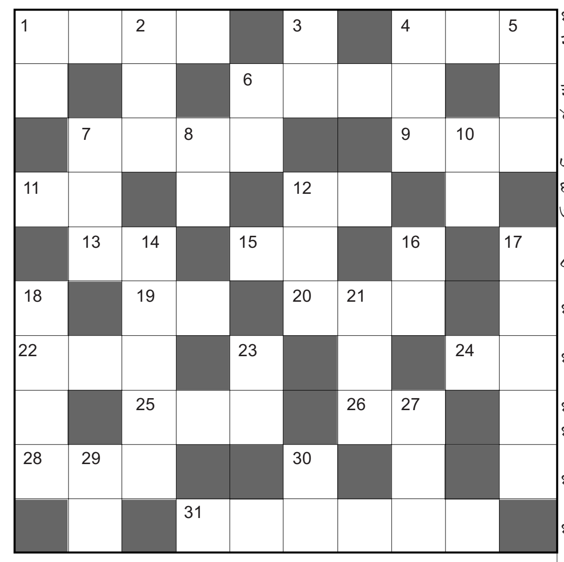

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3948

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	श		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -3949

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3948 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 3949

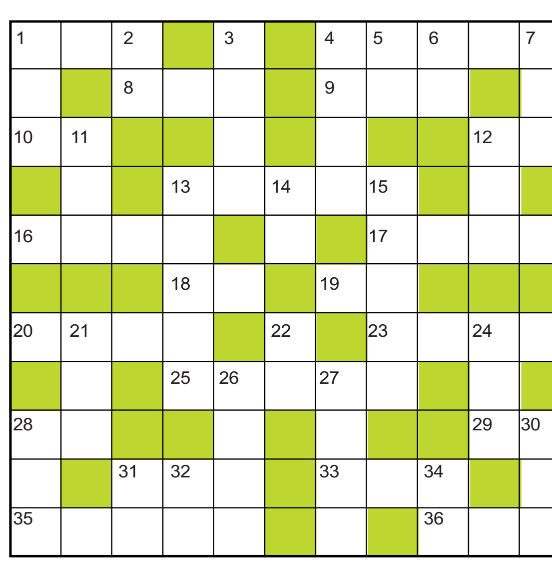

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -3948 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

रेसिपी

सूजी उत्तपम

सामग्री

- सूजी: एक कप
- दही: एक कप
- बारीक कटा हुआ एक टमाटर
- बारीक कटी हुई एक प्याज
- बारीक कटी हुई दो हरी मिर्च
- धनिया: दो बड़ा चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

विधि

सूजी उत्तपम बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में सूजी, दही और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। बैटर गाढ़ा होने की वजह से थोड़ा-सा पानी भी मिलाएं और इसे इडली और डोसे के बैटर जैसा तैयार कर लें। बैटर में प्याज, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती सभी थोड़ा-थोड़ा डालकर मिक्स कर लें और बाकी का बचाकर अलग रख लें। मीडियम आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही पैन में बैटर डालें। एक मिनट बाद बाकी बची सब्जियां भी ऊपर से डाल दें और दो मिनट तक परांठे की तरह सेंक लें। आप इसे चटनी या कैचअप के साथ सर्व कर सकते हैं।

मूली की चटनी

सामग्री

- चना दाल: 1 चम्मच ■ उड़द दाल: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच ■ धनिया: 1 चम्मच
- लाल मिर्च: 3 ■ लहसुन: 3 कलियां
- अदरक: 1 टुकड़ा
- कटी हुई मूली: 1 कप ■ हल्दी: 1/4 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच ■ पानी: 2 चम्मच
- इमली: 1 टुकड़ा ■ नमक: 1/2 चम्मच
- तेल: 1 चम्मच ■ सरसों : 1/2 चम्मच
- करी पत्ता: 10 ■ हींग: चुटकी भर

विधि

मूली की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 2 चम्मच तेल डाल लें। इसके बाद पैन में चना-उड़द दाल, जीरा, धनिया और लाल मिर्च डालें। धीमी आंच पर दाल को सुनहरा होने तक पकाएं। इसके बाद इसमें लहसुन, अदरक, मूली और हल्दी पाउडर मिलाकर 1 मिनट तक भून लें। अब पैन में लगभग 2 चम्मच पानी डालकर सब चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ढककर धीमी आंच पर 5 मिनट तक पकाएं। पांच मिनट बाद गैस बंद कर दें। जब तक पेस्ट पूरी तरह से ठंडा न हो जाए पैन को ढककर ही रखें। इसेक बाद भूने हुए पेस्ट के साथ इमली और नमक को ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें।

तड़का बनाने के लिए- तड़के के लिए 1 चम्मच तेल पैन में डालकर गर्म कर लें। उसमें तड़के वाली सभी चीजें मिला लें। सरसों के चटकने पर चटनी को उसमें पलट दें। आपकी स्वादिष्ट मूली की चटनी बनकर तैयार है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

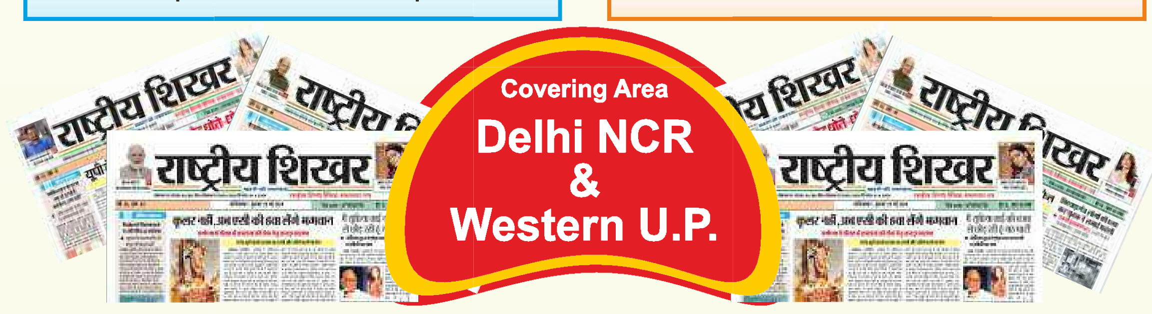

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

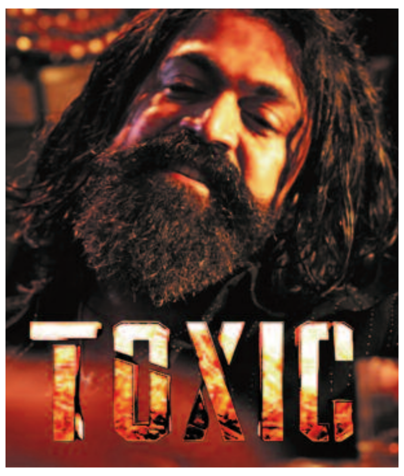

'टॉक्सिक' से नहीं होगा 'द वन' का टकराव;

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। आज गुरुवार को फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होनी थी, मगर अब दर्शक इसे सितंबर में देख पाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का नया मोशन पोस्टर सामने आया है। इसमें सस्पेंस और थ्रिल दोनों हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर योद्धा बाघ और नंदी के बीच खड़ा है। वह निडर होकर सामना कर रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'बाघ उसकी दहाड़ है...नंदी उसकी शक्ति। और वन...उसकी कहानी'। यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'टॉक्सिक' और 'ईठा' से क्लैश से बची 'द वन'

बता दें कि फिल्म 'द वन' पहले 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर, इसके साथ दो चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली थीं। एक तरफ श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'ईठा' 28 अगस्त को रिलीज हो रही है। वहीं, यश की फिल्म 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज हो रही है। इनसे 'द वन' का क्लैश होना तय था। फिलहाल, ऐसा नहीं होगा।

जंगलों में हुई है फिल्म की शूटिंग

समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में मेकर्स ने कहा, 'द वन' के जरिए दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिलेगा। इसमें बड़े पैमाने शानदार विजुअल इफेक्ट्स शामिल हैं। इसका मकसद ऐसी भारतीय कहानियों को सामने लाना भी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को पसंद आती हैं'। मेकर्स की तरफ से यह भी बताया गया कि फिल्म मध्य भारत के घने जंगलों पर आधारित है और इसे प्राचीन कथाओं, छिपे हुए मंदिरों और रोमांच का मिश्रण बताया। इसकी शूटिंग असली जंगलों में की गई है।

मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास

सामंथा ने जताई खुशी

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को लेकर काफी खुश हैं। इस फिल्म ने ग्लोबली 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे लेकर वह उत्साहित हैं।

साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' 19 जून को रिलीज हुई। महिला प्रधान इस फिल्म ने साउथ में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता से सामंथा खुश हैं। सामंथा ने 'मां इंटी बंगारम' के 100 करोड़ रुपये कमाने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती हैं? तो सामंथा हां में जवाब देती हैं। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती हैं, तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती हैं। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई सामंथा कहती हैं, 'हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।'

फिल्म को लेकर क्या सोचती थीं सामंथा

वीडियो शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा ' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है?

हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा?

उन्होंने आगे लिखा 'मेरे एक दोस्त ने 'बी' सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया। उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं।' मेरे दोस्त ने पूछा, 'आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी?' एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, 'कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म? कौन देखने आएगा? कोई नहीं।' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी।'

बड़ी चीज की शुरुआत

सामंथा ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो। ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है।'

'हेरा फेरी 3' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा

वेलकम टू द जंगल के बाद कुछ जादुई होगा

सुनील शेट्टी अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, परेश रावल और रवीना टंडन जैसे 90 के दशक के को-स्टार्स के साथ नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसकी कामयाबी के बाद, एक्टर का मानना है कि यह बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्मों के लिए एक नया रास्ता खोलती है। किसी भी फिल्म की सफलता पूरी इंडस्ट्री की सफलता होती है, खासकर ऐसे समय में जब हम भूल गए हैं कि फैमिली एंटरटेनमेंट का क्या मतलब है। फिरोज नाडियाडवाला की सोच वैसी ही है जैसी डिज्नी की है। यही 'वेलकम टू द जंगल' की सफलता का कारण है। मैं खुश और उत्साहित हूं और उम्मीद करता हूं कि ऐसी और भी फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में बनेंगी।'

दर्शकों के दिलों में जगह बनती है

अपने पुराने को-स्टार्स के साथ फिर से काम करने पर सुनील कहते हैं 'फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि इतने सारे मशहूर एक्टर्स के होने के बावजूद, आप अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। यह सफलता उतनी ही अक्षय की है जितनी रवीना, परेश भाई, जॉनी, मेरी या किसी भी दूसरे एक्टर की। ऐसी फिल्में आपको दर्शकों के दिलों में दोबारा जगह बनाने का मौका देती हैं।'

'हेरा फेरी' पर क्या बोले सुनील शेट्टी

'वेलकम टू द जंगल' में सुनील ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार्स के साथ काम किया मगर हाल ही में खबर आई कि प्रियदर्शन इस फिल्म के तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं। फिल्म अभी अधर में लटकी हुई है। सुनील से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा 'हेरा फेरी मेरे करियर की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इससे जुड़ी पुरानी यादें बहुत सुखद हैं। इस पर लगातार बनते मीम्स और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, कौन नहीं चाहेगा कि ऐसा हो? उम्मीद है कि 'वेलकम टू द जंगल' के बाद कुछ जादुई होगा।'

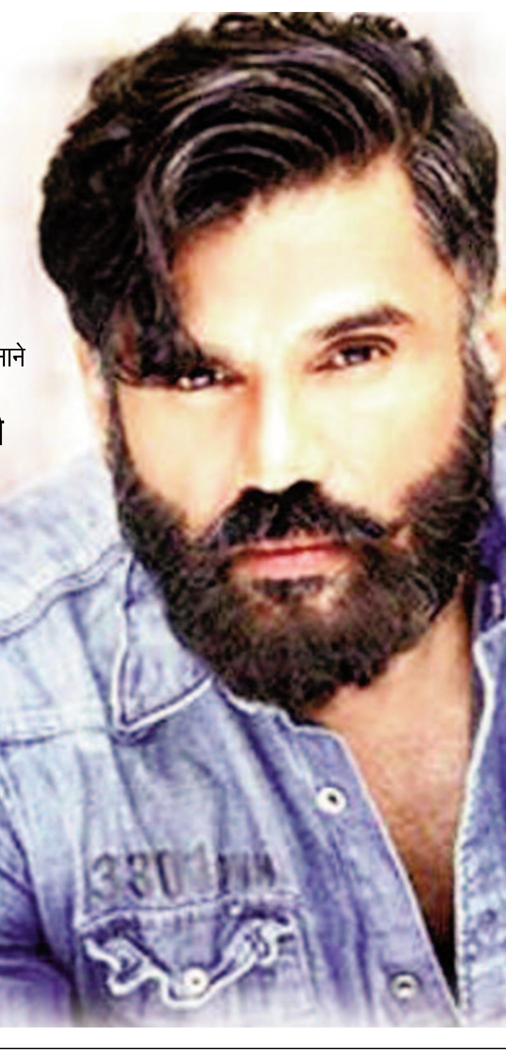

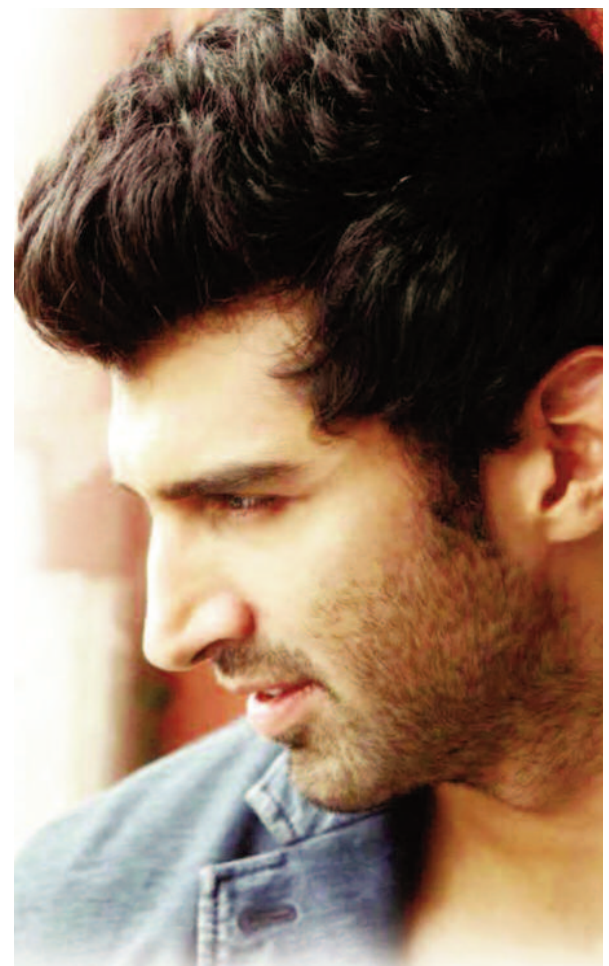

आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ''आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।''

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, 'इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, '2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।'

आकांक्षा ने अपने करीबी दोस्तों के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात की

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।'

गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहा युवक गिरफ्तार, धन शोधन का लगा आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवा रहे हरि दास तारोनी को पुलिस ने धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। हरि दास की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कट्टरपंथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर को अपमानित करने के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरि दास तारोनी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने खास कहा, मैंने अभी गाइबांधा के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि हरि दास को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सीआईडी ने हरि दास को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले भारत ने 23 जून को बांग्लादेश से कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू करने और अल्पसंख्यक समुदायों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पुरजोर आग्रह किया था। बांग्लादेश की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में श्रीश्री राधा गोविंद और काली मंदिर में हो रहे भगवान श्रीराम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति के निर्माण को रुकवा दिया है। काले पत्थर से बनाई जा रही इस विशाल मूर्ति की अनुमानित लागत 17 करोड़ भारतीय रुपये है। रामचंद्रपुर गांव में स्थित इस धार्मिक परिसर में कुल 144 देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है।

पाकिस्तान में बैंक लूट के दौरान गोलीबारी में हिंदू डॉक्टर की मौत, जांच जारी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को 28 वर्षीय हिंदू डॉक्टर की लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना कराची के पॉश क्लिफ्टन इलाके में हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसएसपी मेहरोज अली ने बताया कि आकाश चंद की मौत उस समय हुई, जब एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच गोलीबारी हुई। अली ने बताया कि चंद अपने पिता और चचेरे भाई के साथ दूसरे बैंक से 50 लाख पाकिस्तानी रुपये निकालकर लाए थे। उन्हें यह रकम दूसरे बैंक में जमा करनी थी। वे 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट लेकर जा रहे थे। अली ने बताया, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी। उनके पीछे एक दूसरी कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने पैसे लूटने की कोशिश की। तभी बैंक के दरवाजे पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरे 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर फरार हो गए। अली ने बताया, हम इस मामले की जांच कर रहे है कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से किया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चंद की मौत किसकी गोली से हुई। शुरुआत में सुरक्षा गार्ड को लगा था कि जिस कार से परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथ शामिल हो सकती है।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मन संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्दी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्दी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।

होर्मुज में ईरान के मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत, यूएई के तेल टैंकरों को बनाया निशाना; 8 घायल

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल टैंकरों पर किए गए भीषण मिसाइल हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी है। इस हमले में न केवल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, बल्कि एक भारतीय नाविक ने अपनी जान भी गंवाई है।

ईरान के हमले में 8 लोग घायल : जानकारी के मुताबिक, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इन जहाजों पर ईरानी सेना ने सीधी मिसाइलें दागीं। यूएई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की पुष्टि की गई है। इस अचानक हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के आठ अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

जहाज से 20 प्रतिशत टोल : ईरान का यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज क्षेत्र के लिए एक बेहद विवादित और बड़ी घोषणा की है। ट्रंप ने खुद को 'होर्मुज का गार्जियन' घोषित करते हुए ऐलान किया है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से 20 प्रतिशत टोल वसूला जाएगा। ट्रंप का तर्क है कि चूंकि अमेरिकी नौसेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षा प्रदान कर रही है, इसलिए उसे इस सेवा के बदले टैक्स मिलना चाहिए।

होर्मुज बंद होने से बढ़ा तनाव : क्षेत्र में तनाव तब चरम पर पहुंच गया जब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की कोशिश की। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए बताया कि उनकी नौसैनिक नाकेबंदी विशेष रूप से ईरान और तेहरान के साथ व्यापार करने वालों को लक्षित करेगी। वहीं, अन्य देशों के जहाजों को टोल चुकाने के बाद ही इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

यूएई की कड़ी प्रतिक्रिया : यूएई ने इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कड़े शब्दों में हमले की निंदा करते हुए कहा कि उनके पास अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। मंत्रालय ने मृतक भारतीय नाविक के परिवार और भारत सरकार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

वैश्विक बाजार पर असर : विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज में जारी इस तनाव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए यह मार्ग दुनिया की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते इस सैन्य टकराव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने की आशंका बढ़ गई है, जिससे भारत सहित कई विकासशील देशों के लिए ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है।

बंदर अब्बास में भी अमेरिका का हमला : ईरान के बंदर अब्बास और केश्म द्वीप को अमेरिका ने निशाना बनाया है। ईरान के मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक खुजेस्तान प्रांत में भी हमले हो रहे हैं। यह शहर पेट्रोलियम उद्योग के ललिए मशहूर है। इसके अलावा अहवाज और अंदीमेश्क में भी अमेरिका ने हमले किए हैं। होर्मुज के पास ही स्थित फारुर द्वीप पर भी अमेरिका ने बमबारी की। ऐसे में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में एक बार फिर उछाल दर्ज किया गया है। इन हमलों के बीच अमेरिका के प्रमुख हथियारों के भंडार पर गहरा संकट गहरा रहा है, जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के इसी रफ्तार से जारी रहने पर और बिगड़ सकता है। इससे दुनिया में अन्य जगहों पर भविष्य के संघर्षों से निपटने की उसकी क्षमता को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं।

जॉर्डन ने ईरान की 4 मिसाइलें हवा में मार गिराई : जॉर्डन की सेना ने ईरान से दागी गई चार मिसाइलों को अपने हवाई क्षेत्र में ही मार गिराया। अल जजीरा के मुताबिक, सभी मिसाइलों को जॉर्डन के एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलता के साथ रोक लिया। फिलहाल किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराया : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB के मुताबिक, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। हालांकि, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस की ओर से इस दावे पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि हालिया अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की सैन्य ताकत काफी हद तक खत्म हो गई है और देश स्टोन एज जैसी स्थिति में पहुंच गया है।

पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

इन अफगानों पर होगी कार्रवाई : अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों को भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है।

24 घंटे में 4,000 से ज्यादा लोगों को भेजा वापस : पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पिछले सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना या बढ़वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमू टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान पत्रकार के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में रहने वाली एक अफगान पत्रकार ने कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद जो लोग पाकिस्तान आए थे, जो लोग 2021 के बाद पाकिस्तान में पनाह लेने आए, वे शरणार्थी हैं, सिर्फ प्रवासी नहीं। उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है।

एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी

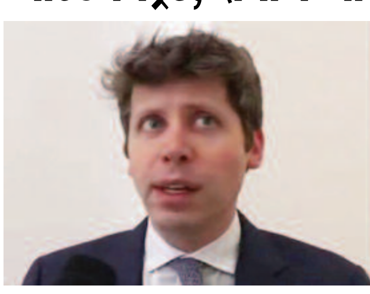

वाशिंगटन, एजेंसी। एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर वर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला।

कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुस्लिमों को बेचने पर विवाद, हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई; नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप

लंदन, एजेंसी। लंदन से 120 किमी दूर पीटरबरो में 40 साल पुराने मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की बिक्री को पर विवाद हो गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स को नीलामी के बाद एक मुस्लिम संस्था, यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन, को बेचने का फैसला किया है। इसी परिसर में भारत हिंदू समाज का मंदिर चलता है, जो शहर और आसपास रहने वाले हजारों हिंदुओं का प्रमुख पूजा और सांस्कृतिक केंद्र है। फैसले से नाराज भारत हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बिक्री प्रक्रिया को चुनौती दी है। भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया। नीलामी के मूल्यांकन में भी गंभीर खामियां रहीं। बता दें कि फरवरी 2026 में हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए काउंसिल को बिक्री पूरी करने जैसे किसी भी कदम से रोक दिया था। अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि काउंसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और समानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं।

मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू : भारत हिंदू समाज का कहना है कि पीटरबरो का यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इलाके के 4,000 हिंदुओं का एकमात्र सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र भी है। यदि यह परिसर बंद होता है, तो हिंदुओं को पूजा-अर्चना व त्योहारों के लिए निकटतम मंदिर (कैंब्रिज-56 किमी) या (लेस्टर-64 किमी) का रुख करना पड़ेगा।

घाटे के चलते बेचने पड़ रहे हैं परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व क्लब : पीटरबरो का विवाद ब्रिटेन में अकेला नहीं है। यहां की काउंसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं। 2025 के 'की सिटीज' सर्वे में 60% काउंसिलों ने संपत्ति बिक्री को घाटा भरने का रास्ता बताया। बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंघम का 2025-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था।

नीलामी में खामियां, समीक्षा बिना मंजूरी दी गई : भारत हिंदू समाज का आरोप है कि बिक्री के दौरान दोनों पक्षों की बोलियों का ठीक मूल्यांकन नहीं हुआ। अदालत में संगठन ने कहा कि काउंसिल ने जांच और स्कोरिंग में गलतियां कीं। इसके बाद काउंसिल सदस्यों ने उन्हीं सिफारिशों को पड़ताल के बिना स्वीकार कर लिया।

सऊदी अरब ने सना एयरपोर्ट पर बरसाई मिसाइलें, ट्रंप के समर्थन के बाद हूतियों से सीधी भिड़ंत

सना, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव अब केवल होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र में एक नया और विनाशकारी मोर्चा खुल गया है, जहां सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही एक-दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध की लपटें तेज हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, साल 2022 के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य टकराव है, जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष विराम के पूरी तरह टूटने का संकेत है।

सना एयरपोर्ट पर हमला : यह भीषण हमला उस वक्त हुआ जब ईरान की 'माहान एयरलाइंस' का एक विमान सना एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। सऊदी अरब ने हवाई पट्टी पर मिसाइलें दागकर विमान की लैंडिंग को रोकने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि यह उड़ान एक दशक से अधिक समय बाद तेहरान से सना के बीच संचालित की गई थी, जिसमें हूतियों का एक उच्च स्तरीय डेलिगेशन सवार था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था। सऊदी अरब को संदेह है कि ऐसी उड़ानों के जरिए ईरान हूतियों तक हथियार और सैन्य सलाहकार पहुंचा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी को खुला समर्थन : इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कूटनीतिक हलचल भी तेज है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' की रिपोर्ट के अनुसार, हमले से पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर विस्तार से चर्चा की थी।

बताया जा रहा है कि क्राउन प्रिंस ने हूतियों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के लिए अमेरिका से सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मांगा था, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। अमेरिका ने बताया है कि वह अपने सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा है, जिससे सऊदी के हौसले बुलंद हैं।

हूतियों ने किया पलटवार : सऊदी के मिसाइल हमले के जवाब में हूतियों ने भी चुप बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया है। हूतियों ने सऊदी अरब के विभिन्न ठिकानों पर जवाबी मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी है कि यदि उनके विमानों को रोका गया, तो वे सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब नागरिक उड़ानों को बाधित कर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरेध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

जिन लोगों ने बनवाई सरकार, उनको ही लगी हथकड़ी : अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रुकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं को हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालने शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। बालेन शाह ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ फूटा है और युवा सड़कों पर उतर आए हैं। लोग बालेन शाह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

रविवार को बड़ी संख्या में लोग काठमांडू के माइतीघर में इकट्ठा हुए थे। लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की पुलिस ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिश्मा थापा को हिरासत में ले लिया। इसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं। तभी से उनकी निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है।

नौसेना ने क्या बताया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपात स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया।

पेंटागन के युद्ध हताहतों की गिनती में जुलाई में एक गैर-शत्रुतापूर्ण मौत दर्ज की गई। मार्च में युद्ध की शुरुआत में अलग-अलग घटनाओं में 13 सैन्यकर्मियों की मौत के बाद यह पहली मौत है जिसे दर्ज किया गया है। पहली घटना कुवैत में एक कमांड सेंटर पर ईरानी ड्रोन हमले की थी जिसमें छह सैनिक मारे गए थे। इसके बाद सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए हमले में घायल होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद एक सैनिक की मौत हो गई। इराक में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में सहायता कर रहे एक चष्ट-135 ईंधन भरने वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह और सैनिक मारे गए।

कितने सैनिक घायल हुए : सोमवार को घायल हुए अमेरिकी वायु सेना के एक जवान समेत कुल 414 सैन्यकर्मी घायल हुए हैं। ईरान और अमेरिका ने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसी वजह से वायुसैनिक घायल हुआ है।

अधिकांश चोटों को कारण क्या है : अमेरिकी केंद्रीय कमान ने उस खास वायुसैनिक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉम्पसन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)